द SUMMER न्यूज़

समर एक्सप्रेस

www.summerexpress.in

सूर्योदय सुबह 7:21 बजे
सूर्यास्त शाम 5:37 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-123 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • बुधवार 7 जनवरी 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल के बीरगंज में हिंसा के बाद तनाव

बीरगंज| नेपाल के बीरगंज में सांप्रदायिक हिंसा के बाद हालात तनावपूर्ण है। विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर वायरल एक धार्मिक वीडियो से हुई, जिसके बाद दो समुदायों के बीच टकराव हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन कार्यालय, परसा ने एहतियाती कर्फ्यू लागू किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, नेपाल सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें। प्रशासन ने कई इलाकों को संवेदनशील घोषित किया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन

नई दिल्ली| पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार तड़के निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में उन्होंने सुबह करीब 3:30 बजे अंतिम सांस ली। 1 मई 1944 को जन्मे सुरेश शामराव कलमाड़ी पुणे से तीन बार सांसद रहे। वे रेल राज्य मंत्री, भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजन समिति के चेयरमैन भी रहे। इससे पहले वे भारतीय वायुसेना में पायलट रहे और स्क्वाड्रन लीडर पद से सेवानिवृत्त हुए। कलमाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले को लेकर विवादों में रहे। 2011 में CBI ने उन्हें गिरफ्तार किया था। अप्रैल 2025 में दिल्ली की अदालत ने ईडी की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार की थी।

माता सुदीक्षा की कार के साथ गंभीर हादसा

पानीपत | सोनीपत जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर मुरथल फ्लाईओवर पर निरंकारी मिशन की प्रमुख माता सुदीक्षा की कार के साथ गंभीर हादसा हुआ। दिल्ली से समालखा होते हुए पानीपत जाते समय उनकी गाड़ी को पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। आरोप है कि टक्कर जानबूझकर मारी गई। हादसे में कार के बाएं हिस्से को नुकसान पहुंचा और माता सुदीक्षा जी को झटका लगा, हालांकि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर मुरथल थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिर्पोटर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

जब तख्त के सामने सत्ता भी होती है जवाबदेह

15 को बतौर सीएम रहते पेश होने वाले पहले सीएम होंगे भगवंत मान

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सिखों की सर्वोच्च धार्मिक और न्यायिक संस्था श्री अकाल तख्त साहिब ने 15 जनवरी को पेश होने के लिए तलब किया गया है। यह मामला श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 328 पावन सरूपों के लापता होने से जुड़ा हुआ है, जिस पर मुख्यमंत्री के बयानों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि वह नंगे पांव एक विनम्र सिख के रूप में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष उपस्थित होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब हर सिख के लिए सर्वोच्च और पवित्र स्थान है तथा वहां से आने वाला कोई भी फैसला उन्हें सिर-माथे स्वीकार होगा। यदि 15 जनवरी को श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष मुख्यमंत्री पर लगे आरोप सिद्ध होते हैं, तो उन्हें धार्मिक सजा भुगतनी पड़ सकती है। बतौर सीएम रहते अकाल तख्त पर पेश होने वाले भगवंत सिंह मान पहले मुख्यमंत्री होंगे।
इससे पहले सुरजीत सिंह बरनाला ही ऐसे मुख्यमंत्री थे, जिन्हें पद पर नहीं रहते हुए श्री अकाल तख्त से सजा मिली थी।

क्या है श्री अकाल तख्त साहिब?

श्री अकाल तख्त साहिब सिखों की सर्वोच्च राजनीतिक और न्यायिक संस्था है। इसका उद्देश्य सिख समुदाय को धार्मिक, सामाजिक और पंथक मामलों में मार्गदर्शन देना है। 'अकाल तख्त' का शाब्दिक अर्थ है - अमर सत्ता का सिंहासन। श्री अकाल तख्त साहिब, हरमंदिर साहिब के सामने स्थित है। इसकी स्थापना छठे सिख गुरु, श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने 15 जून 1606 को की थी। यह सिख समुदाय की आध्यात्मिक और सांसारिक दोनों प्रकार की चुनौतियों के समाधान का केंद्र माना जाता है। सिख धर्म के पांच तख्तों में यह सबसे पुराना और सर्वोच्च तख्त है। यहां से जारी किया गया हुक्मनामा पूरी दुनिया के सिखों के लिए मान्य और अनिवार्य होता है।

क्या होता है 'तनखाहिया' करार दिया जाना

'तनखाहिया' उस व्यक्ति को कहा जाता है जिसने सिख मर्यादा या पंथक सिद्धांतों का उल्लंघन किया हो। जब किसी को तनखाहिया घोषित किया जाता है, तो उसे संगत के सामने विनम्र होकर धार्मिक सेवा करनी पड़ती है, जैसे जूते साफ करना, बर्तन धोना, कीर्तन सुनना या सार्वजनिक माफी मांगना - ताकि वह अपनी गलती के लिए क्षमा प्राप्त कर सके। अब सबकी निगाहें 15 जनवरी पर टिकी हैं, जब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होंगे और यह तय होगा कि यह मामला इतिहास में किस मोड़ पर दर्ज होता है।

इतिहास में इनको मिल चुकी है सजा

श्री अकाल तख्त साहिब के फैसलों के आगे इतिहास में कई बड़ी और प्रभावशाली हस्तियों को भी झुकना पड़ा है। महाराजा रणजीत सिंह को नैतिक मर्यादा के उल्लंघन के कारण अकाली फूला सिंह द्वारा कोड़े मारने की सजा दी गई थी, हालांकि बाद में जुर्माना लगाकर उन्हें माफी प्रदान की गई। 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान चुप्पी साधने के आरोप में तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह को लिखित रूप में माफी मांगने के बाद क्षमा किया गया था। पंथ विरोधी गतिविधियों के चलते पूर्व मुख्यमंत्री सुरजीत सिंह बरनाला को गले में 'मैं पापी हूं' की तख्ती डालकर संगत के जूते साफ करने की धार्मिक सजा भुगतनी पड़ी थी। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद अपनी सरकारी भूमिका को लेकर पूर्व गृह मंत्री बूटा सिंह को बर्तन मांजने और जूते साफ करने की सेवा दी गई थी। वहीं, डेरा प्रमुख को माफी देने और अन्य धार्मिक चूकों के मामले में शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को संगत के जूते साफ करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आदेश दिया गया था।

अब पड़ी ठंड : पंजाब के 6 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

उत्तराखंड और हिमाचल में पारा शून्य से नीचे, पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में अलर्ट

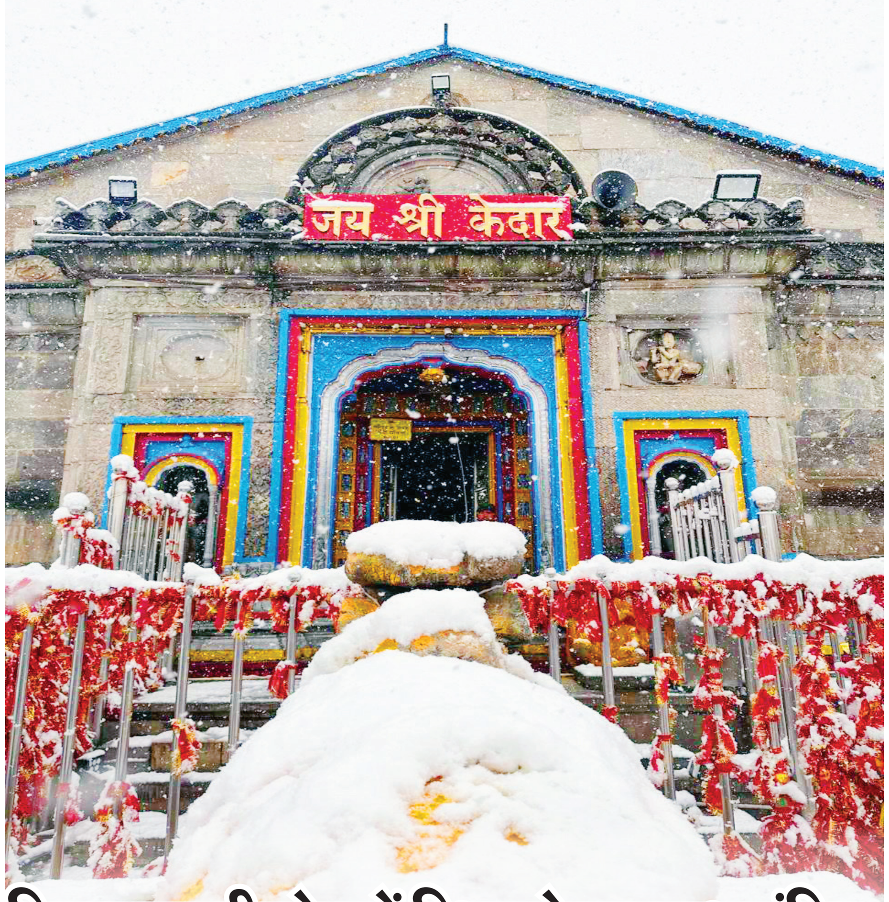

हिमालय की गोद में स्थित केदारनाथ मंदिर में बर्फबारी के बाद अलौकिक दृश्य।

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

ठंड का असर लगातार बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में शीतलहर और कोल्ड-डे का अलर्ट जारी किया है। दक्षिण और पश्चिम हरियाणा में पारा गिरने की चेतावनी भी दी गई है। पंजाब और चंडीगढ़ में भी धूप निकलने के बावजूद रातें कड़ाके की ठंड में कट रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को 18 जिलों में घने कोहरे और 6 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी है। इसमें पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, होशियारपुर, लुधियाना, बठिंडा और फरीदकोट जैसे जिले शामिल हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक ठंडी हवाओं और कोहरे का असर जारी रहेगा। उत्तराखंड का मुनस्यारी सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां न्यूनतम तापमान माइनस 25 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। केदारनाथ में भारी बर्फबारी के बीच तापमान माइनस 23 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री में तापमान माइनस 21 डिग्री रहा, और यहां पानी की पाइपलाइन में बर्फ जम गई। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले के ताबो और जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में साल की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। दोनों जगहों पर न्यूनतम तापमान शून्य से करीब 10 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। इससे झीलों, झरनों और नदियों की छोटी धाराओं में पानी जम गया। फ्लाइट शेड्यूल प्रभावित..कोहरे के कारण कई शहरों में उड़ानों पर असर पड़ने की संभावना जताई गई है। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों को एडवाइजरी जारी की है, जिसमें फ्लाइट्स का रियल-टाइम अपडेट चेक करने की सलाह दी गई है। इंडिगो एयरलाइंस ने भी दिल्ली, अमृतसर, भोपाल, चंडीगढ़, गुवाहाटी, वाराणसी, रांची और हिंडन एयरपोर्ट पर कम विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट शेड्यूल प्रभावित होने की चेतावनी दी है।

जो वेनेजुएला में हुआ, वह भारत में भी हो सकता है : पृथ्वीराज चव्हाण

एजेंसी | नई दिल्ली

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने वेनेजुएला मामले पर केंद्र सरकार की चुप्पी को लेकर तीखा हमला बोला है। चव्हाण ने कहा कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाना संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुला उल्लंघन है और ऐसी घटना भविष्य में भारत जैसे किसी भी देश के साथ हो सकती है। चव्हाण ने कहा, "एक निर्वाचित राष्ट्रपति को अगवा कर लिया गया। अगर आज यह वेनेजुएला में हो सकता है, तो कल भारत में भी हो सकता है।" उन्होंने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत ने इस पूरे घटनाक्रम पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है।

नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं सोनिया गांधी

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उनकी हालत पूरी तरह स्थिर है और वे छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में हैं। बताया गया है कि सोनिया गांधी लंबे समय से खांसी की समस्या से जूझ रही हैं। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण उनकी यह परेशानी कई बार बढ़ जाती है, इसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें समय-समय पर चिकित्सकीय जांच करानी पड़ती है। डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए है और एहतियातन कुछ जांचें की जा रही हैं। फिलहाल घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं बताई जा रही है।

जेएनयू में फिर लगाए गए देश विरोधी नारे

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में नारेबाजी का एक वीडियो मंगलवार को सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। 35 सेकेंड के इस वीडियो में कुछ छात्र "मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर" जैसे देश विरोधी नारे लगाते और गाते नजर आ रहे हैं।
बताया जा रहा है कि ये नारे उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत नामंजूर होने के विरोध में लगाए गए। हालांकि, जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि हर साल 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा के लिए छात्र विरोध प्रदर्शन करते हैं।
उनके मुताबिक, लगाए गए नारे वैचारिक थे और किसी व्यक्ति विशेष को लक्ष्य नहीं करते थे। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी स्पष्ट किया कि नारेबाजी को लेकर अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है। इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ गुस्सा जाहिर करने का तरीका है और उमर खालिद व शरजील इमाम के साथ नाइंसाफी हुई है।
वहीं, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चेतावनी देते हुए कहा कि अशांति फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों की जगह जेल में है।
केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जेएनयू को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का कार्यालय बताते हुए नारेबाजी करने वालों को देशद्रोही करार दिया। सीपीआईएम नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा कि ऐसे नारे पहले भी लगाए गए हैं, लेकिन नारेबाजी के दौरान सावधानी बरती जानी चाहिए। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने भी इस नारेबाजी की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ लोग देश विरोधी और धर्म विरोधी नारे लगाते हैं, लेकिन यह उनकी छटपटाहट भर है।

बांग्लादेश में अब तक 6 हिंदुओं की हत्या हुई

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा के दौरान बीते 18 दिनों में अब तक छह हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इनमें से दो हत्याएं पिछले 24 घंटों के भीतर की गई हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।
नरसिंगदी में किराने की दुकान चलाने वाले 40 वर्षीय हिंदू युवक शरत चक्रवर्ती मणि की बेरहमी से हत्या कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शरत नरसिंगदी के चारसिंदूर बाजार में अपनी दुकान

पर मौजूद थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। शरत चक्रवर्ती मणि कुछ वर्ष पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और हाल ही में बांग्लादेश लौटकर व्यवसाय शुरू किया था।
इसी दिन जशोर जिले के मनीरामपुर इलाके में हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की भी नृशंस हत्या कर दी गई।

सरबजीत के डिपोर्टेशन में कोर्ट केस का हवाला देकर पाक ने अटकाया रोड़ा

समर न्यूज़ | अमृतसर

पाकिस्तान गई पंजाबी महिला सरबजीत कौर की भारत वापसी टल गई है। सोमवार को उसे अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत भेजने की पूरी तैयारियां कर ली गई थीं। इस बीच पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने अदालत में केस होने का हवाला देकर रोक लगा दी। 4 नवंबर को जत्थे के साथ पाकिस्तान गई सर्बजीत ने वहां के नूर हुसैन नामक मुस्लिम से धर्मांतरण करके निकाह कर लिया था। इसके बाद वहां के पूर्व विधायक महिंदर पाल सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर कर उसे गिरफ्तार कर भारत भेजने की मांग की थी।

पेज 1 एंकर स्टोरी

ईपीएफ वेतन सीमा 11 साल से जस की तस, सुप्रीम कोर्ट सख्त

वेतन सीमा पर 4 माह में फैसला ले केंद्र: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने को केंद्र सरकार को 'कर्मचारी भविष्य निधि' (ईपीएफ) योजना में वेतन सीमा के संशोधन पर चार महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता नवीन प्रकाश नौटियाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।
याचिका में कहा गया है कि ईपीएफ योजना के तहत 15,000 रुपये मासिक से अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को शामिल नहीं किया जाता, जबकि इस वेतन सीमा में

पिछले 11 वर्षों से कोई संशोधन नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रणव सचदेवा और नेहा राठी ने दलील दी कि देश के कई हिस्सों में न्यूनतम वेतन इस सीमा से अधिक हो चुका है, इसके बावजूद वेतन सीमा में बदलाव नहीं किया गया। इससे बड़ी संख्या में कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा और भविष्य निधि के लाभ से वंचित हैं।
शीर्ष अदालत ने याचिका का निपटान करते हुए निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता दो सप्ताह के भीतर आदेश की प्रति के साथ केंद्र सरकार के समक्ष प्रतिवेदन दाखिल करें। इसके बाद सरकार को चार महीने के भीतर इस पर निर्णय लेना होगा।
याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि पिछले 70 वर्षों में ईपीएफ योजना की वेतन सीमा का पुनरीक्षण मनमाने ढंग से हुआ है और कई बार 13-14 वर्षों के अंतराल के बाद संशोधन किया गया। इस दौरान मुद्रास्फीति, न्यूनतम वेतन या प्रति व्यक्ति आय जैसे आर्थिक संकेतकों से कोई तालमेल नहीं रखा गया।
कम कर्मचारियों को मिल रहा लाभ
याचिका के अनुसार, इस असंगत नीति के चलते पहले की तुलना में आज ईपीएफ योजना के दायरे में आने वाले कर्मचारियों की संख्या घट गई है। वर्ष 2022 में ईपीएफओ की उप-समिति ने वेतन सीमा बढ़ाने और अधिक कर्मचारियों को योजना में शामिल करने की सिफारिश की थी, जिसे केंद्रीय बोर्ड ने भी मंजूरी दी थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। याचिका में कहा गया है कि शुरुआती 30 वर्षों में ईपीएफ योजना का ढांचा अधिक समावेशी था, लेकिन पिछले तीन दशकों में यह अधिक कर्मचारियों को बाहर रखने का माध्यम बन गई है।

देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है डीएमके : भाजपा

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

भाजपा नेता एएनएस प्रसाद ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु की डीएमके सरकार और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर भ्रष्टाचार, दमनकारी शासन, वंशवादी राजनीति, और केंद्र की निधियों को लेकर जनता को गुमराह करने जैसे पांच गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इन आरोपों पर डीएमके सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। प्रसाद ने अमित शाह के उस हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने डीएमके सरकार को "देश की सबसे भ्रष्ट सरकार" करार दिया था। शाह ने कहा था कि तमिलनाडु में तथाकथित द्रविड़ मॉडल के नाम पर हर काम के लिए 20 प्रतिशत कमीशन लिया जा रहा है।

अमेरिकी फेडरल कोर्ट में पेश हुए मादुरो, आरोपों से किया इनकार

एजेंसी | न्यूयॉर्क

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सोमवार रात न्यूयॉर्क की एक फेडरल कोर्ट में पेश किया गया। अदालत में मादुरो ने अपने खिलाफ ड्रग्स और हथियार तस्करी से जुड़े सभी आरोपों से इनकार करते हुए गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया। सीएनएन के अनुसार, पहली सुनवाई के दौरान मादुरो ने अदालत में कहा कि उन्हें जबरन हिरासत में लिया गया है और यह एक तरह का अपहरण है। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा, मैं अपराधी नहीं हूं। मैं एक सम्मानित व्यक्ति हूं और अब भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं।
मादुरो के वकीलों ने अमेरिकी

कार्रवाई को सैन्य अपहरण करार देते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है। बचाव पक्ष ने संकेत दिए हैं कि वे अमेरिकी अदालतों के अधिकार क्षेत्र को भी चुनौती देंगे। उनका तर्क है कि अमेरिकी एजेंसियों ने विदेशी धरती पर अवैध कार्रवाई कर गिरफ्तारी की है। मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी। मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी अदालत में पेश हुईं। उनके चेहरे पर चोट के निशान और पट्टी बंधी हुई थी। उन्होंने खुद को वेनेजुएला की प्रथम महिला बताया और अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को खारिज किया।

328 पावन स्वरूपों की गुमशुदगी मामले पर एसजीपीसी का कुनबा एकजुट

सरकार और पंथक संस्थाओं के बीच बढ़ा टकराव, श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों के अनुसार ही हुआ कार्रवाई का निपटारा, पुलिस को रिकॉर्ड नहीं देगा सिख संगठन

समर न्यूज़ | अमृतसर

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 328 पावन स्वरूपों के मामले में एसजीपीसी, पंथक संगठन और राज्य सरकार के बीच द्वंद्व जारी है। पंथक संगठनों की शिकायत पर सरकार ने इसमें कथित रूप से लिप्त 15 लोगों पर मामला दर्ज किया है और गिरफ्तारियां भी जारी हैं। इस मामले को लेकर एसजीपीसी और श्री अकाल तख्त के जत्थेदार भी सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठा चुके हैं। खैर, इसी बीच सीएम भगवंत मान को श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा 15 जनवरी के लिए तलब किया गया है। खैर, पहले एसजीपीसी प्रधान और मुख्य सचिव इस मामले पर सरकार को घेर रहे थे लेकिन अब पूरा एसजीपीसी कुनबा सरकार के समक्ष खड़ा हो गया है। इसी संदर्भ में आज कमेटी के सचिव प्रताप सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान सरकार को साफ शब्दों में कहा गया है कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 328 पवित्र स्वरूपों के मामले में श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों के अनुसार शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पुलिस प्रशासन को किसी भी तरह का सहयोग नहीं करेगी और न ही कोई रिकॉर्ड देगी। अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि सिख संस्था ने पूरे मामले पर अपना रुख साफ करते हुए कहा कि इस मामले में आरोपी बनाए गए कर्मचारियों के संबंध में श्री अकाल तख्त साहिब की जांच रिपोर्ट के अनुसार कमेटी द्वारा कार्रवाई पूरी कर ली गई है। इस मामले पर श्री अकाल तख्त साहिब का आदेश सिख संस्था के लिए अंतिम है, जिसके अनुसार सरकार को कोई सहयोग नहीं दिया जा सकता। सचिव प्रताप सिंह ने कहा

328 पवित्र स्वरूपों के मामले में संस्था की तरफ से स्थिति साफ करते अधिकारी। फोटो- समर न्यूज़

कि जिन तीन कर्मचारियों ने सीधे तौर पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूपों के प्रसाद का निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया और रिकॉर्ड से छेड़छाड़ की, वे कंवलजीत सिंह, बाज सिंह और दलबीर सिंह थे। उन्होंने अपने लालच की खातिर कमेटी के पूरे प्रशासन को बदनाम किया। शिरोमणि कमेटी के नियमों के अनुसार जब श्रद्धालु या गुरुद्वारा कमेटियां पवित्र स्वरूपों की मांग करती हैं, तो नियमों के अनुसार प्रचारक की जांच रिपोर्ट और शिरोमणि कमेटी सदस्य की सिफारिश के बाद सचिव स्तर के अधिकारी द्वारा मंजूरी दी जाती है। इसके बाद पवित्र स्वरूप देते समय रसीद जमा करवाई जाती है और उसे रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है। इस प्रक्रिया को नजरअंदाज कर पब्लिकेशन विभाग में तैनात तत्कालीन कर्मचारियों ने यह जिम्मेदारी नहीं निभाई। इस तरह, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई क्योंकि वे सीधे तौर पर दोषी थे और इसके साथ ही कई सीनियर अधिकारियों को एडमिनिस्ट्रेटिव कार्रवाई का सामना करना पड़ा। सिख संगठन सिख गुरुद्वारा एक्ट की भावना के अनुसार काम करता है और इसमें काम करने वाले हर कर्मचारी की अपनी तय जिम्मेदारी होती है। अगर कोई इसकी अवहेलना करता है, तो संगठन को सर्विस नियमों के अनुसार उसके खिलाफ डिपार्टमेंटल कार्रवाई करने का अधिकार है। शिरोमणि कमेटी के अधिकारियों ने पंजाब सरकार चला रही आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा दिए जा रहे बेबुनियाद बयानों को भी सिख संगठन को बदनाम करने के लिए जानबूझकर किया गया काम बताया। प्रताप सिंह ने कहा कि शिरोमणि कमेटी पूरे सिख समुदाय की है, जिसके खिलाफ गलत प्रचार से सिखों के एक सम्मानित संगठन को नुकसान पहुंचने वाला है। उन्होंने कहा कि मीडिया से बात करते समय आम आदमी पार्टी के नेता बलतेज पन्नू इस बात का ध्यान नहीं रख रहे हैं कि उनकी बातें किसी भी तरह से तर्कसंगत नहीं हैं। मनमाने बयानों से सिख संगठन की परंपराओं और आभा को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पवित्र स्वरूप तय नियमों के अनुसार ही संगत को दिया जाता है। आप नेता का यह बयान कि एसजीपीसी प्रेसिडेंट के पास पवित्र स्त्रूपों के बारे में डायरी है, संगत को गुमराह करने वाला है। ऐसा कोई कानून नहीं है, जैसा कि डायरी वगैरह के बारे में फैलाया जा रहा है। पब्लिकेशन डिपार्टमेंट में अलग-अलग समय पर इंचार्ज और डिप्टी सेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके गुरिंदर सिंह, गुरनाम सिंह और मनजीत सिंह ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सम्मान को ध्यान में रखते हुए पवित्र सरूप देने के लिए डायरी या पर्ची का कोई नियम नहीं है। पवित्र सरूपों की रिकॉर्डिंग डिपार्टमेंट के लेजर में की जाती है और दान की रसीद काटी जाती है। अधिकारियों ने अपील की कि सरकार सीधे तौर पर कमेटी को टारगेट करने से बचे क्योंकि श्री अकाल तख्त साहिब की जांच के मुताबिक सिख संगठन ने इस गंभीर मामले पर कार्रवाई करने में कोई ढिलाई नहीं दिखाई। उन्होंने एक बार फिर साफ किया कि इस मामले में श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों के मुताबिक शिरोमणि कमेटी की तरफ से सरकार और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन को कोई सहयोग नहीं दिया जा सकता, जिसे सरकार को समझना चाहिए। इस मौके पर बलविंदर सिंह काहलवां, सतबीर सिंह धामी, एडिशनल सेक्रेटरी गुरिंदर सिंह मथरेवाल, बिजय सिंह, पर्सनल सेक्रेटरी शहबाज सिंह, डिप्टी सेक्रेटरी जसविंदर सिंह जस्सी, गुरनाम सिंह, बलविंदर सिंह खैराबाद, मनजीत सिंह तलवंडी, हरभजन सिंह वक्ता, सुपरिंटेंडेंट स. निशान सिंह, पब्लिसिटी असिस्टेंट स. जगतार सिंह खोडेबेट वगैरह मौजूद थे।

ANTF और बीएसएफ ने 20 किलो हेरोइन की जब्त, चार गिरफ्तार

स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से आरोपी हेरोइन को अलग-अलग राज्यों में भेजते थे

समर न्यूज़ | अमृतसर

अजनाला क्षेत्र के भिंडी औलख से बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद होने का मामला सामने आया है। गुप्त सूचना के आधार पर एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स, बॉर्डर रेंज ने सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से एक सुनियोजित अभियान चलाया, जिसमें कुल 19.980 किलो हेरोइन को जब्त किया गया। इस कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें मुख्य आपरेटर भी शामिल है, जो पूरे हेरोइन आपूर्ति नेटवर्क का संचालन कर रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी पाकिस्तान स्थित हेंडलरों से जुड़े हुए हैं। ये हेंडलर सीमा पार से हेरोइन की आपूर्ति करते थे और स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से इसे राज्य में वितरित करवाते थे। गिरफ्तार अन्य

जब्त की गई हेरोइन। फोटो- समर न्यूज़

आरोपी स्थानीय डीलरों और नेटवर्क के साथ मिलकर नशीले पदार्थों की तस्करी में मदद कर रहे थे।
पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मुख्य आरोपी ने हेरोइन की आपूर्ति और वितरण की पूरी व्यवस्था संभाली हुई थी। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है और NDPS अधिनियम के तहत FIR दर्ज कराई गई है। जांच का प्राथमिक उद्देश्य सीमा पार के हेंडलरों की पहचान करना, आपूर्ति मार्गों का पता लगाना और संपूर्ण तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करना है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। अधिकारी यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि राज्य में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पंजाब पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है और नशे के खिलाफ कार्रवाई अब और भी सख्त की जाएगी।
यह अभियान राज्य और केंद्र सरकार की साझा सुरक्षा रणनीति के तहत अंजाम दिया गया, जिसका उद्देश्य न केवल तस्करी की रोकथाम करना है बल्कि पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ कड़ा संदेश देना भी है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से नशे की तस्करी के नेटवर्क पर बड़ा धक्का लगेगा और जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।
इस कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि पंजाब पुलिस और BSF न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि सीमा पार से संचालित नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी कड़ी निगरानी रख रहे हैं। पुलिस की इस सक्रियता से राज्य में नशे के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

सीसीटीवी में सामने आया किसान का आखिरी वीडियो

फर्जी रजिस्ट्री से परेशान किसान ने की खुदकुशी

आशीष | बरनाला
समर न्यूज़

बरनाला जिले के गांव रुड़ेके कलां में जमीन से जुड़े एक गंभीर विवाद ने एक किसान की जान ले ली। तीन बेटियों के पिता किसान मेजर सिंह ने कथित तौर पर अपने भतीजे द्वारा 12 एकड़ जमीन की फर्जी रजिस्ट्री किए जाने से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। यह हृदयविदारक घटना गांव में उस समय सामने आई जब मेजर सिंह का शव उनके घर की छत पर लगी रेलिंग से लटका मिला।
बताया जा रहा है कि मेजर सिंह पिछले करीब चार वर्षों से अपनी दिव्यांग बेटी और दामाद के साथ रह रहे थे और लगातार न्याय के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन कोई ठोस समाधान न मिलने से वे मानसिक रूप से बेहद परेशान थे।
परिजनों के अनुसार मेजर सिंह की 12 एकड़ कृषि भूमि की कथित तौर

मृतक किसान की फाइल फोटो। - समर न्यूज़

पर गलत और फर्जी रजिस्ट्री करवाई गई थी, जिसमें उनके भतीजे, उसकी मां और पत्नी की भूमिका बताई जा रही है। इस मामले को लेकर किसान लंबे समय से प्रशासन और संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे थे, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। आत्महत्या से पहले का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें मेजर सिंह आखिरी बार दिखाई दे रहे हैं, जो इस मामले को और भी संवेदनशील बना देता है।
घटना की सूचना मिलते ही थाना रुड़ेके कलां पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर मृतक के भतीजे, उसकी मां और पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिवार ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, फर्जी रजिस्ट्री को रद्द कर भूमि रिकॉर्ड में सुधार की मांग की है। गांव में इस घटना के बाद शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते किसान को न्याय मिला होता, तो शायद यह दर्दनाक कदम उठाने की नौबत नहीं आती। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शहीद जवान के परिवार से मिले सांसद गुरजीत सिंह

समर न्यूज़ | अमृतसर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवान प्रगट सिंह के परिवार से अमृतसर से सांसद गुरजीत सिंह औजला ने मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया। शहीद प्रगट सिंह अजनाला विधानसभा क्षेत्र के गांव रामदास के निवासी थे, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सांसद औजला ने परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि प्रगट सिंह की शहादत पूरे देश के लिए गर्व की बात है और उनकी कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि यह परिवार देश सेवा की मिसाल है, क्योंकि परिवार के करीब छह सदस्य भारतीय सुरक्षा बलों में सेवा दे रहे हैं। सांसद ने पंजाब सरकार से शहीद परिवार को तुरंत आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

2027 चुनाव की रणनीति बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हंगामा

समर न्यूज़ | बठिंडा

2027 विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीति बनाने के उद्देश्य से आयोजित कांग्रेस पार्टी की बैठक उस समय हंगामे में बदल गई, जब कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच आपसी आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। बठिंडा देहाती क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की इस बैठक में जैसे ही पिछली चुनावों में एक-दूसरे की भूमिका को लेकर सवाल उठे, माहौल तनावपूर्ण हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि बैठक को बीच में ही बंद करना पड़ा और कार्यकर्ता आपस में हाथापाई पर उतर आए। बाहर निकलकर एक-दूसरे के खिलाफ गाली-गलौज भी की गई। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर सभी को अलग-अलग किया और हालात को नियंत्रित किया। हालांकि बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी 2027 विधानसभा चुनावों की तैयारी था,

कांग्रेस कार्यकर्ता हंगामा करते हुए। - समर न्यूज़

लेकिन जिस तरह से कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में उलझते नजर आए, उससे पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बैठक में बठिंडा देहाती के नवनिर्वाचित जिला प्रधान और पूर्व विधायक प्रीतम सिंह कोटभाई तथा रामपुरा से पूर्व मंत्री व विधायक गुरप्रीत सिंह कांगड़ मौजूद थे, जो लगातार कार्यकर्ताओं को शांत कराने का प्रयास करते रहे, लेकिन वे हालात पर पूरी तरह काबू पाने में असहाय नजर आए।
बाद में गुरप्रीत सिंह कांगड़ ने हंगामा करने वालों को अन्य राजनीतिक दलों से जुड़ा बताते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर कांग्रेस की बैठक का माहौल खराब करने पहुंचे थे।

गांव ताजपुर में गाड़ी सवार युवक ने की हवाई फायरिंग

फायरिंग के बाद आरोपी मौके से हुए फरार

समर न्यूज़ | पठानकोट

पंजाब के पठानकोट जिले के घरोटा रोड स्थित गांव ताजपुर के पास देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गाड़ी में सवार अज्ञात व्यक्ति ने हवाई फायरिंग कर दी। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। गोली चलने की आवाज से इलाके में दहशत का माहौल बन गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।
जानकारी के अनुसार, देर रात एक अज्ञात वाहन गांव के पास रुका और उसमें सवार व्यक्ति ने अचानक हवा में फायर कर दिया। फायरिंग के बाद वाहन मौके से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने पास में

पुलिस जांच करती हुई। - समर न्यूज़

लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को कब्जे में ले लिया है, जिसमें संदिग्ध वाहन और फायरिंग की घटना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।
मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर दी है। संदिग्ध गाड़ी के नंबर और मूवमेंट के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी इस घटना से संबंधित कोई जानकारी मिले या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।
पुलिस ने आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

युवक से चांदी का ब्रेसलेट और 8 हजार रुपये लूटकर फरार हुए लुटेरे

जालंधर माता रानी चौक के पास युवक से लूट

समर न्यूज़ | जालंधर

जालंधर के वेस्ट हलके में लूटपाट की वारदातों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन लुटेरे वारदातों को अंजाम देकर फरार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार लूट की घटनाओं को लेकर विरोध दर्ज कराया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। ताजा मामला माता रानी चौक के पास सामने आया है, जहां देर रात शादी समारोह से लौट रहे एक व्यक्ति पर लुटेरों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, न्यू संत नगर निवासी राज कुमार देर रात अपनी माता को घर छोड़ने के बाद पत्नी को लेने जा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें आवाज लगाई और उनका पीछा किया। पीड़ित के अनुसार, करीब 10 से 12 युवकों ने माता रानी चौक के पास उन्हें घेर लिया और तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावर चांदी का ब्रेसलेट

घायल युवक जानकारी देता हुआ। - समर न्यूज़

और करीब 7 से 8 हजार रुपये नकद लूटकर मौके से फरार हो गए। यह घटना रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। हमले में पीड़ित के सिर में चोट आई है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना भार्गव कैंप पुलिस को शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने उनके बयान दर्ज कर लिए हैं। पीड़ित ने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और न्याय की मांग की है। दूसरी ओर, थाना भार्गव कैंप पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही दोषियों को पकड़ लिया जाएगा। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है और उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

वाल्मीकि समाज ने किया शहर बंद

समर न्यूज़ | कपूरथला

कपूरथला जिले में वाल्मीकि समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक शहर बंद रखा गया। यह बंद आम आदमी पार्टी की नेता मंजू राणा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर किया गया। बंद के आह्वान के चलते शहर के अधिकांश बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। वाल्मीकि समाज के नेता चरणजीत सिंह हंस ने बताया कि यह बंद पिछले वर्ष मंसूरवाल स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर के पास हुई एक कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मंजू राणा ने समाज के कुछ लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस संबंध में पुलिस को शिकायत भी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से समाज के लोगों में रोष व्याप्त था।
समाज के नेताओं की अपील पर

वाल्मीकि समाज प्रदर्शन करता हुआ। - समर न्यूज़

व्यापारियों ने बंद में सहयोग किया और सुबह से ही बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि, बंद के दौरान आपातकालीन सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं। मेडिकल सेवाओं, एंबुलेंस और जरूरी सुविधाओं को बंद से बाहर रखा गया। वहीं, जिन निजी स्कूलों में परीक्षाएं चल रही थीं, उन्हें भी बंद से छूट दी गई।
वाल्मीकि समाज के नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उधर, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। डीएसपी सब-डिवीजन शीतल सिंह ने बताया कि पुलिस ने समाज के नेताओं से लगातार संवाद बनाए रखा और शहर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि बंद शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

राम रहीम को पैरोल, पत्रकार रामचंद्र छत्रपति के बेटे ने उठाए सवाल

समर न्यूज़ | अमृतसर

हरियाणा में साध्वियों के यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिलने पर विवाद खड़ा हो गया है। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति के बेटे अंशुल छत्रपति ने हरियाणा सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक और आर्थिक स्वार्थ से प्रेरित बताया। अंशुल ने आरोप लगाया कि पैरोल के बाद पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा वापस ले ली गई है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अपराधी को सुरक्षा मिल रही है, जबकि पीड़ित असुरक्षित हो रहे हैं। वहीं, डेरा प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ट्रायल | 14-15 जनवरी को ट्रायल तय,यात्रियों के लिए बढ़ेगी सुविधा

रेलवे 18 कोच वाली उपनगरीय लोकल ट्रेनों का करेगा परीक्षण

एजेंसी | मुंबई

पश्चिमी रेलवे इस महीने के अंत में 18 कोच वाली उपनगरीय लोकल ट्रेनों का परीक्षण करने की तैयारी में है। अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण 14 और 15 जनवरी को पालघर जिले के विरार-दहानू रोड खंड पर आयोजित किया जाएगा। वर्तमान में मुंबई के उपनगरीय नेटवर्क में मुख्य रूप से 12 कोच वाली लोकल ट्रेनें संचालित होती हैं, जबकि सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे पर सीमित संख्या में 15 कोच वाली ट्रेनें उपलब्ध हैं। मुंबई उपनगरीय नेटवर्क पर प्रतिदिन 75 लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं और नेटवर्क पर कुल 3000 से अधिक उपनगरीय सेवाएं संचालित होती हैं। ऐसे में लंबे और अधिक क्षमता वाली ट्रेनें यात्री लोड को कम करने और भीड़ को नियंत्रित करने में मदद करेंगी।
परीक्षण दो 18-कोच वाली ट्रेनों

पटरी पर खड़ी ट्रेन। - समर न्यूज़

पर किए जाएंगे। इनमें से एक ट्रेन बॉम्बार्डियर बिजली प्रणाली से लैस होगी, जबकि दूसरी ट्रेन मेधा विद्युत प्रणाली वाली होगी। परीक्षणों में आपातकालीन ब्रेकिंग दूरी (EBD) और कपलर बल (CF) का आकलन किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, EBD परीक्षण से यह मापा जाएगा कि आपातकालीन स्थिति में ट्रेन कितनी जल्दी रुक सकती है, जबकि CF परीक्षण में ब्रेकिंग के दौरान कपलर पर लगने वाले बल को निर्धारित किया जाएगा। ये परीक्षण नए रोलिंग स्टॉक के परिचालन से पहले अनिवार्य सुरक्षा मानक हैं और सुनिश्चित करते हैं कि ट्रेनें यात्री सुरक्षा के मानकों के अनुसार चल सकें। पश्चिमी रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि बॉम्बार्डियर प्रणाली वाली 18-कोच ट्रेन का परीक्षण 110 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति पर किया जाएगा, जबकि मेधा प्रणाली वाली ट्रेन का परीक्षण 105 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति पर होगा। इस दौरान ट्रेन का लोडिंग और सभी सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता की जांच भी की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षणों के सफल होने के बाद इन लंबी ट्रेन सेवाओं का नेटवर्क में विस्तार किया जा सकता है, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा सुविधाजनक और समयबद्ध होगी। इसके अलावा, आरडीएसओ ने पश्चिमी रेलवे को परीक्षण संचालन के लिए रेकों की तैयारी और उचित लोडिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि परीक्षण सफल होने पर मुंबई के उपनगरीय नेटवर्क में यात्री क्षमता बढ़ेगी और भीड़ कम होगी। इस तरह की नई पहल न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी बल्कि मुंबई की उपनगरीय रेल सेवा की दक्षता और सुरक्षा मानकों को भी मजबूत करेगी।

द SUMMER न्यूज़

समर प्राइम 3

www.summerexpress.in

7 जनवरी 2026

समर एक्सप्रेस

मैं बोलूंगा तो...

स्वच्छता की गंगा में बहता जहर

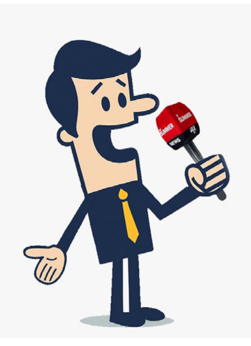

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है। इतना स्वच्छ कि यहाँ गंदगी को भी वीआईपी ट्रीटमेंट मिलता है—सीधे नल के जरिए घरों तक पहुँचाया जाता है। सड़कों पर झाड़ू चमकती है, दीवारों पर पेंट मुस्कुराता है और पाइपों में सीवेज इत्मीनान से बहता है।

स्वच्छता सर्वेक्षण वाले आते हैं, फोटो खिंचती है, तालियाँ बजती हैं और शहर फिर नंबर वन हो जाता है। मरने वाले? वे आँकड़ों में फिट नहीं बैठते।

जब जहरीले पानी से लोग मर रहे थे, तब एक मंत्री पत्रकार को 'घंटा' और 'फोकट' समझाने में व्यस्त थे। शायद मंत्रीजी को लगा कि सवाल भी स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू से बुहार दिए जाते हैं। सवाल पूछना गंदगी है और गंदगी इंदौर में बर्दाश्त नहीं। यहाँ तो केवल सवालों के ऊपर पेंट किया जाता है।

पत्रकारिता भी दो हिस्सों में बँटी है। एक वर्ग वह, जो मंत्री के बैग की जिप खुलते ही खबर सूँघ लेता है और दूसरा वह, जो मंत्री की जुबान खुलते ही लोकतंत्र बचाने निकल पड़ता है। पहले वाले प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे बैठते हैं, दूसरे वाले इतिहास में दर्ज होते हैं। इंदौर की त्रासदी में पहली जमात बोतलबंद पानी पीती रही और दूसरी जमात नल के पानी पर सवाल पूछती रही।

स्वच्छता रैंकिंग का कमाल देखिए, शहर साफ, नल गंदा; दीवार चमकीली, पेट में ज़हर; शहर स्मार्ट, नागरिक बीमार।

सरकार कहती है, "जाँच बैठा दी है।" यह वही जाँच होती है जो तब तक चलती है, जब तक अगली जाँच की ज़रूरत न पड़ जाए। कुछ अफसर भोपाल भेज दिए गए, मानो राजधानी की हवा में पाप कट जाते हों।

महापौर कहते हैं "अधिकारी सुनते नहीं।" जनता सोचती है तो फिर आप किसकी सुनते हैं? कुर्सी की? कुर्सी तो बहुत कुछ सुनती है, बस जनता की आवाज़ छोड़कर।

अखबारों ने इस बार झाड़ू उलटी पकड़ ली। संपादकीयों में सीवेज बहा दिया। किसी ने कहा "यह प्रशासनिक हत्या है।" किसी ने पूछा "क्या स्वच्छता का मतलब सिर्फ फोटो और फ्लेक्स है?" किसी ने तो यहाँ तक कह दिया "सबसे स्वच्छ शहर में सबसे जहरीला पानी।"

विडंबना यह है कि विकसित भारत 2047 का सपना दिखाया जा रहा है, लेकिन 2026 में भी नागरिक उबालकर पानी पीने को मजबूर है। स्वच्छता की चादर इतनी सफेद है कि उसके नीचे की लाशें साफ दिखती हैं।

अब सवाल यह नहीं कि इंदौर की रैंक क्या होगी। सवाल यह है कि अगला तमगा किस नल को मिलेगा- "सबसे कम बदबूदार ज़हर" का?

क्योंकि इस देश में शहर तभी महान होता है, जब उसकी मौतें भी ब्रांड बन जाएँ।

डिलीवरी में ग्राहकों ने की नई धोखाधड़ी, एआई से बनाए फर्जी सबूत

जोमैटो-ब्लिंकइट के सीईओ दीपेंद्र गोयल ने किया खुलासा

एजेंसी | नई दिल्ली

ऑनलाइन फूड डिलीवरी को लेकर अक्सर गलत खाना मिलने या देर से डिलीवरी की शिकायतें सामने आती रहती हैं। इस कारोबार का दूसरा पहलू चौंकाने वाला है। जोमैटो और ब्लिंकइट के सीईओ दीपेंद्र गोयल ने खुलासा किया है कि धोखाधड़ी सिर्फ डिलीवरी स्तर पर ही नहीं, बल्कि कुछ ग्राहकों की ओर से भी की जा रही है, और इसके तरीके अब हाई-टेक होते जा रहे हैं। राज शमानी के साथ एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान गोयल ने बताया कि कुछ ग्राहक मुफ्त खाना या रिफंड पाने के लिए जानबूझकर धोखाधड़ी करते हैं। लोग अपने खाने में बाल डालकर उसकी तस्वीर खींचते हैं और कंपनी से शिकायत दर्ज कर पैसे वापस मांगते हैं। अब इस धोखाधड़ी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भी एंट्री हो चुकी है। गोयल के अनुसार, कुछ शातिर ग्राहक एआई टूल्स की मदद से खाने की ऐसी फर्जी तस्वीरें तैयार करते हैं, जिनमें मक्खी, कीड़े या नाखून दिखाई देते हैं। ये तस्वीरें इतनी वास्तविक लगती हैं कि पहली नजर में इन्हें पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। इसके आधार पर ग्राहक दावा करते हैं कि उन्हें ऐसा ही खाना डिलीवर हुआ और रिफंड की मांग करते हैं।

'कर्मा स्कोर' से होगी पहचान

इन समस्याओं से निपटने के लिए जोमैटो ने 'कर्मा स्कोर' सिस्टम लागू किया है। यह सिस्टम ग्राहकों और डिलीवरी पार्टनर्स दोनों के पुराने रिकॉर्ड का विश्लेषण करता है। बार-बार रिफंड मांगने या संदिग्ध गतिविधियों में शामिल ग्राहकों का स्कोर कम हो जाएगा और उनकी शिकायतें स्वतः स्वीकार नहीं होंगी। यही नियम डिलीवरी पार्टनर्स पर भी लागू होगा। कंपनी का कहना है कि इस पहल का मकसद असली ग्राहकों और ईमानदार डिलीवरी पार्टनर्स के हितों की रक्षा करना है, ताकि कुछ धोखेबाजों की वजह से पूरे सिस्टम पर सवाल न उठें।

डिलीवरी पार्टनर्स की भी भूमिका

गोयल ने माना कि कुछ मामलों में डिलीवरी पार्टनर्स भी धोखाधड़ी में शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि हर महीने औसतन 5,000 डिलीवरी पार्टनर्स को फ्रॉड के चलते काम से हटाया जाता है। सबसे आम तरीका खाना डिलीवर किए बिना ऐप पर 'डिलीवर्ड' दिखाना और खाना खुद रख लेना है। इसके अलावा कैश ऑन डिलीवरी में भी गड़बड़ियां होती हैं, जहां राइडर खुल्ले पैसे न होने का बहाना बनाकर बाद में लौटने की बात कहते हैं, लेकिन वापस नहीं आते।

केक स्मैश शिकायतों में अचानक बढ़ोतरी

दीपेंद्र ने बताया कि हाल में 'केक स्मैश' यानी केक के पिचक जाने की शिकायतों में पांच प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कई मामलों में यह डिलीवरी पार्टनर की गलती नहीं, ग्राहकों की चालाकी थी। कुछ लोग सही-सलामत पहुंचे केक की एआई से ऐसी तस्वीर बना लेते हैं, जिसमें वह पूरी तरह खराब या दबा हुआ नजर आता है। इसके बाद ऐप पर शिकायत दर्ज कर रिफंड ले लिया जाता है, असल में केक बिल्कुल ठीक होता है।

गीजर फटने की बड़ी वजह हाई प्रेशर

घर का गीजर न बन जाए टाइम बम

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

कड़ाके की ठंड में वॉटर गीजर हर घर की जरूरत बन जाता है, लेकिन जरा सी लापरवाही इसे जानलेवा हादसे में बदल सकती है। हर साल देश के अलग-अलग हिस्सों से गीजर और इमर्शन रॉड से जुड़े हादसों की खबरें सामने आती हैं, जिनमें कई लोगों की जान तक चली जाती है। हाल ही में पंजाब के लुधियाना और जालंधर समेत कई जिलों में पिछले कुछ वर्षों में गीजर फटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें घरों की दीवारें तक क्षतिग्रस्त हो गईं और लोग गंभीर रूप से घायल हुए। एक मामले में बाथरूम की पूरी छत ढह गई थी।

विशेषज्ञों के मुताबिक गीजर फटने की सबसे बड़ी वजह अंदर बनने वाला अत्यधिक प्रेशर है। कई बार गीजर का थर्मोस्टेट सेंसर खराब हो जाता है, जो तय तापमान पर पहुंचने के बाद बिजली सप्लाई बंद नहीं कर पाता। लोग अक्सर रातभर गीजर ऑन छोड़ देते हैं और सेंसर के फेल होने से पानी जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाता है। जब टैंक के अंदर पानी अत्यधिक गर्म होकर प्रेशर बनाता है और प्रेशर रिलीज वाल्व भी सही से काम नहीं करता, तो गीजर बम की तरह फट सकता है। रेगुलर सर्विसिंग न होने से यह वाल्व जाम हो जाता है।

अगर गीजर से अचानक पानी टपकने लगे, जंग लगे पानी की सप्लाई हो या भूरे रंग का पानी आने लगे, तो यह टैंक खराब होने का संकेत है। ऐसे में तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए।

2026 होगा AI के लिए निर्णायक साल: सत्य नडेला

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने वर्ष 2026 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक निर्णायक मोड़ करार दिया है। अपने ब्लॉग "Looking Ahead to 2026" में उन्होंने कहा कि एआई अब केवल प्रयोग या दिखावे की तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि यह बड़े पैमाने पर अपनाए जाने के दौर में प्रवेश कर चुकी है। अब असली सवाल यह है कि एआई समाज और इंसानी सोच पर किस तरह का प्रभाव डालेगी।

सत्य नडेला के अनुसार, एआई अब खोज और प्रयोग के शुरुआती चरण से निकलकर वास्तविक उपयोग और असर के चरण में पहुंच गई है। टेक इंडस्ट्री अब चमक-दमक और वास्तविकता के बीच फर्क समझने लगी है। आने वाले समय में फोकस इस बात पर होगा कि एआई को इस तरह विकसित किया जाए, जिससे वह दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डाल सके।

दिखावे से आगे निकल चुका है एआई : नडेला ने लिखा कि यह बहस अब पुरानी हो चुकी है कि एआई केवल दिखावा है या जरूरत से ज्यादा जटिल तकनीक। असली मुद्दा किसी मॉडल की ताकत नहीं, बल्कि यह है कि लोग उसे अपने काम को आसान और प्रभावी बनाने के लिए कैसे इस्तेमाल करते हैं। एआई को लेकर slop बनाम sophistication जैसी बहसों से आगे बढ़ने की जरूरत है।

इंसानी क्षमता बढ़ाने वाला एआई : माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने स्पष्ट किया कि एआई इंसानों की जगह लेने वाली तकनीक नहीं है। उन्होंने "bicycles for the mind" की अवधारणा का हवाला देते हुए एआई को इंसानी सोच के लिए scaffolding बताया। उनके अनुसार एआई एक संज्ञानात्मक एम्पलीफायर है, जो इंसानी क्षमता को बढ़ाता है, न कि उसे खत्म करता है। यही सोच भविष्य के प्रोडक्ट डिजाइन और टेक डेवलपमेंट की दिशा तय करेगी।

समाज और एआई के बीच भरोसे की चुनौती : नडेला ने यह भी स्वीकार किया कि फिलहाल एआई को पूरी तरह सामाजिक स्वीकृति नहीं मिली है। समाज में एआई को लेकर असहजता और भरोसे की कमी मौजूद है। उन्होंने कहा कि 2026 में सबसे बड़ी चुनौती इंसान और एआई के रिश्ते को संतुलित करना होगी। यही संतुलन तय करेगा कि एआई भविष्य में किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

भारत–इजराइल व्यापार में रुपये की एंट्री, SBI निभा रहा भूमिका

आर्थिक साझेदारी मजबूत करने की दिशा में भारत–इजराइल का ये महत्वपूर्ण कदम

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चल रही बातचीत के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) इजराइल में रुपए में द्विपक्षीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है। इजराइल में मौजूद एकमात्र भारतीय लेंडर एसबीआई ने भारतीय रुपए में निर्यात–आयात के निपटान को बढ़ावा देने की पहल की है।

एसबीआई इजराइल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. मणिवन्नन ने बताया कि भारत के सहयोगी देशों के साथ व्यापार में रुपए के इस्तेमाल को लेकर बढ़ती रुचि को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय बैंकों को अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों के निर्यात एवं आयात का निपटान भारतीय रुपए में करने की अनुमति दी है। इस व्यवस्था के तहत इजराइल को भागीदार देशों में शामिल किया गया है।

रुपये में कैसे होगा व्यापार : एसबीआई अधिकारियों के अनुसार, इस तंत्र के तहत इजराइली निर्यातक और आयातक भारतीय रुपए में भुगतान प्राप्त और भुगतान कर सकेंगे। यह राशि माल या सेवाओं की आपूर्ति से जुड़े इनवॉइस के बदले विशेष रुपी वोस्ट्रो अकाउंट (एसआरवीए) में जमा की जाएगी। एसबीआई की तेल अवीव शाखा के पास इन लेन-देन को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी आवश्यक नियामकीय स्वीकृतियां मौजूद हैं।

रुपए में व्यापार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एसबीआई ने इजराइल–भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से कई बैठकें और वेबिनार आयोजित किए हैं, जिनमें इजराइल की प्रमुख रक्षा संस्थाओं के अधिकारी भी शामिल हुए।

रेमिटेंस को भी मिलेगा बढ़ावा

हाल ही में 40,000 से अधिक भारतीय कामगारों के इजराइल के कार्यबल में शामिल होने के बाद एसबीआई, तेल अवीव शाखा भारत में उनके अनिवासी प्रवासी (एनआरआई) खाते खोलने की सुविधा प्रदान कर रही है, जिससे भारत में रेमिटेंस के प्रवाह को आसान बनाया जा सके।

2007 से इजराइल में एसबीआई की मौजूदगी : एसबीआई ने वर्ष 2007 में इजराइल में अपनी शाखा की स्थापना की थी और तब से वह पूर्ण रूप से परिचालन बनाए हुए है। वैश्विक महामारी और क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण दो वर्षों से अधिक समय तक चली अनिश्चितताओं के बावजूद बैंक की यह शाखा मजबूती से कार्यरत रही है। भारत के बाहर एसबीआई की मौजूदगी 29 देशों में 241 पॉइंट्स ऑफ प्रेजेंस के जरिए है।

एफटीए की दिशा में तेज होती पहल रुपए में व्यापार को बढ़ावा देने की यह पहल ऐसे समय में हो रही है, जब भारत और इजराइल आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। नवंबर में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इजराइल यात्रा के बाद दिसंबर में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इजराइल का दौरा किया था। हाल ही में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बातचीत हुई।

सीईओ कैंपबेल विल्सन को हटाने पर विचार

एअर इंडिया में बड़े बदलाव की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की एअर इंडिया में नेतृत्व बदलाव की संभावनाएं तेज हो गई हैं। मौजूदा सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन को हटाने पर विचार हो रहा है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन एयरलाइन की कमान संभालने के लिए नए सीईओ की तलाश में हैं।

विल्सन का कार्यकाल चुनौतियों से भरा रहा है। तकनीकी दिक्कतें और सर्विस क्वालिटी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। न्यूज़ीलैंड के विल्सन जून 2022 में एअर इंडिया से जुड़े थे। उनके कार्यकाल में एअर इंडिया ने 470 नए विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया, लेकिन 'पेशाब कांड' जैसी घटनाओं और केबिन की खराब स्थिति ने एयरलाइन की छवि प्रभावित की।

एअर इंडिया और विस्तारा के हालिया मर्जर के बाद टाटा ग्रुप एयरलाइन के ऑपरेशन्स को और अधिक पेशेवर और सुचारू बनाना चाहता है। कंपनी ऐसे लीडर की तलाश में है जो एअर इंडिया के ग्लोबल नेटवर्क को मजबूत कर सके और गिरती कस्टमर सर्विस को सुधार सके। मर्जर के बाद विस्तारा के पूर्व सीईओ विनोद कन्नन की भूमिका को लेकर भी अटकलें हैं, फिलहाल टाटा ग्रुप बाहर से अनुभवी नेतृत्व लाने पर ध्यान दे रहा है। नए सीईओ के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने विमानों को सुधारना और एयरलाइन के वर्क कल्चर को टाटा के मानकों के अनुरूप ढालना होगी। एअर इंडिया इंडिगो और अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन्स जैसे एमिरेट्स और कतर एयरवेज से मुकाबला कर रही है, सर्विस क्वालिटी में सुधार की भी जरूरत है।

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

हर सुबह एक नया अवसर लेकर आती है, नई उम्मीदें, नए सपने और नए लक्ष्य। आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा हो, सकारात्मक ऊर्जा से भरा हो और हर कदम पर सफलता आपके साथ हो।

अपने मन को शांत रखें, अच्छे विचारों को अपनाएं और हर चुनौती को एक अवसर समझकर उसका सामना करें। जीवन में छोटी-छोटी खुशियां ही बड़ी सफलता की नींव हैं।

इसलिए आज हर पल को मुस्कुराहट के साथ जियें, दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनें और अपने आसपास सकारात्मक वातावरण फैलाएं।

याद रखें, आपका दिन आपके विचारों से बनता है, इसलिए सोच सकारात्मक और मन खुशहाल रखें।

उठिए, नयी उम्मीदों के साथ अपने दिन की शुरुआत कीजिए, अपने सपनों की दिशा में एक और कदम बढ़ाइए और हर पल का आनंद उठाइए। आपका आज का दिन मंगलमय, उज्ज्वल और सुखमय हो।

– मेयर, इंद्रजीत कौर

पेज 3 एंकर स्टोरी

चेहरे के आधार पर भेदभाव, एसिड अटैक सर्वाइवर्स के लिए कानून बन चुका जरुरत

एसिड अटैक के बाद भी महिलाओं की खत्म नहीं होती पीड़ा

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारत में एसिड अटैक की घटनाएं अक्सर आंकड़ों, अदालती फैसलों और कभी-कभार सुर्खियों तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन हमले के बाद पीड़ितों की ज़िंदगी में शुरू होने वाली असली लड़ाई पर बहुत कम चर्चा होती है। इलाज, सर्जरी और कानूनी प्रक्रिया के बाद भी एसिड अटैक सर्वाइवर्स को समाज में लौटते समय ऐसे अदृश्य अवरोधों का सामना करना पड़ता है, जिनका न तो नाम है और न ही कोई ठोस कानूनी समाधान। नौकरी, शिक्षा, मकान किराए पर लेने या सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य व्यवहार, हर मोड़ पर उनके बदले हुए चेहरे को उनके काबिलियत से ऊपर रख दिया जाता है। भारत में लैंगिक भेदभाव, जातिवाद और दिव्यांगता आधारित भेदभाव जैसे शब्द आम हैं, लेकिन चेहरे की विकृति के आधार पर होने वाले भेदभाव को अब तक पहचाना ही नहीं गया। विशेषज्ञ इसे विज़ेज़िज़्म नाम दे रहे हैं यानी किसी व्यक्ति के बदले या अलग दिखने वाले चेहरे के कारण उसे अवसरों से वंचित करना। यह भेदभाव चुपचाप, लेकिन लगातार सर्वाइवर्स के आत्मविश्वास, करियर और सामाजिक जीवन को नुकसान पहुंचाता है।

कानून भले ही अपराधी को सज़ा दे दे, लेकिन पीड़ित की पूरी ज़िंदगी न्यायालय के बाहर भी भेदभाव से घिरी रहती है। एसिड अटैक सर्वाइवर्स सालों तक सर्जरी करवाते हैं, मुआवज़े की प्रक्रिया से गुजरते हैं और दोबारा समाज में खुद को स्वीकार करवाने की कोशिश करते हैं। सहानुभूति तो मिलती है, लेकिन मौके नहीं। कई बार नियोक्ता उन्हें सार्वजनिक भूमिकाओं के लिए अयोग्य मान लेते हैं, छात्र लंबे इलाज के बाद स्कूल-कॉलेज लौटते हैं तो उन्हें घूरती नजरों और सामाजिक दूरी का सामना करना पड़ता है। सरकारी योजनाएं मुआवज़े और इलाज तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन सामाजिक पुनर्वास पर गंभीरता से विचार नहीं होता।

युवा वर्ग और सामाजिक कार्यकर्ता अब इस खालीपन को पहचानने लगे हैं। शिक्षा, रोजगार और सामुदायिक जीवन में लौटने के दौरान सर्वाइवर्स की भूमिका और अधिकारों को केंद्र में रखने की मांग तेज हो रही है। मूल बात साफ है समाज में दोबारा प्रवेश केवल व्यक्तिगत हिम्मत पर निर्भर नहीं हो सकता। इसके लिए संस्थानों की तैयारी, कर्मचारियों की संवेदनशील ट्रेनिंग और यह सामूहिक समझ जरूरी है कि बदला हुआ चेहरा किसी व्यक्ति की क्षमता या सपनों को नहीं बदलता।

विशेषज्ञों का मानना है कि बिना ठोस एंटी-डिस्क्रिमिनेशन कानून के यह बदलाव संभव नहीं है। जब तक विज़ेज़िज़्म को कानूनी रूप से भेदभाव की श्रेणी में नहीं लाया जाता, तब तक संस्थान और नियोक्ता जवाबदेही से बचते रहेंगे। ऐसा कानून केवल प्रतीकात्मक नहीं होगा, बल्कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, छात्रों को भेदभाव से सुरक्षा और सर्वाइवर्स के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करेगा। सबसे अहम बात यह होगी कि कानून यह संदेश देगा कि किसी इंसान की कीमत उसके चेहरे की बनावट से नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और संभावनाओं से तय होती है।

भारत में एसिड हिंसा के पीछे कई कारण हैं कमज़ोर कानून लागू होना, खतरनाक रसायनों की आसान उपलब्धता और गहरी जमी सामाजिक सोच।-

दिल दहला देने वाली वारदात कुरुक्षेत्र में गर्दन काटकर युवक की निर्मम हत्या, सड़क किनारे झाड़ियों में मिला शव

शाहाबाद-ठोल रोड पर मिला अज्ञात युवक का शव, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

गुरदीप सिंह | कुरुक्षेत्र
समर न्यूज़

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। शाहाबाद-ठोल रोड पर मंदहेड़ी गांव के पास एक अज्ञात व्यक्ति की गर्दन काटकर निर्मम हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे झाड़ियों में खून से लथपथ शव पड़ा देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया और जांच शुरू की। सूचना मिलते ही डीएसपी निर्मल सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शव की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या बेहद बेरहमी से की गई है। किसी धारदार हथियार से मृतक की गर्दन पर वार किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा पेट पर भी धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि हत्या करने के बाद आरोपी शव को सड़क किनारे झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए। मृतक के शरीर पर नीले रंग की जैकेट, टी-शर्ट और सफेद रंग की पैंट थी, लेकिन उसकी पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज मौके से बरामद नहीं हुआ है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। मृतक की पहचान कराने के लिए आसपास के गांवों में सूचना दी गई है और स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। साथ ही फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर खून के नमूने और अन्य साक्ष्य एकत्र किए गए हैं, ताकि हत्या से जुड़े अहम सुराग मिल सकें।

डीएसपी निर्मल सिंह ने बताया कि फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है और मृतक की पहचान भी अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और उनके मूवमेंट का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग हत्या की इस वारदात से सहमे हुए हैं।

पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहा था विवाद

पत्नी ने चौकीदार पति की हत्या की

समर न्यूज़ | सोनीपत

हरियाणा के सोनीपत जिले से घरेलू कलह के चलते हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कामी रोड स्थित आशीर्वाद गार्डन में चौकीदार के रूप में कार्यरत एक व्यक्ति की कथित तौर पर उसकी पत्नी ने हत्या कर दी। मृतक की पहचान रामकिशन के रूप में हुई है, जो पिछले करीब एक साल से अपने परिवार के साथ आशीर्वाद गार्डन परिसर में ही रह रहा था।

घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया, जिसने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के सिविल अस्पताल भिजवाया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रामकिशन और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। इसी आपसी कलह के चलते वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद आरोपी पत्नी मौके से फरार हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी पत्नी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी और आगे की कार्रवाई को तेज किया जाएगा। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्टे ऑर्डर ने रोकी तोड़फोड़, गैंगस्टर की प्रॉपर्टी सील कर लौटी टीम

अनुज पंचाल | गुरुग्राम
समर न्यूज़

कुख्यात गैंगस्टर सुनील उर्फ तोता की अवैध संपत्ति को ध्वस्त करने पहुंची पुलिस और प्रशासनिक टीम को उस समय बैरंग लौटना पड़ा, जब मौके पर कोर्ट का स्टे ऑर्डर सामने आ गया। तोड़फोड़ की कार्रवाई के लिए पहुंची टीम ने हालात का जायजा लेने के बाद संपत्ति को सील करने का निर्णय लिया और कार्रवाई समाप्त कर लौट गई। पुलिस और प्रशासन को सूचना मिली थी कि गैंगस्टर सुनील उर्फ तोता की गुरुग्राम में स्थित एक प्रॉपर्टी को अवैध रूप से अपराध की कमाई से खड़ा किया गया है। इसी आधार पर नगर निगम, पुलिस और जीएमडीए की संयुक्त टीम भारी पुलिस बल और जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची थी। हालांकि, कार्रवाई शुरू होने से पहले पता चला कि इस संपत्ति पर पिछले एक वर्ष से कोर्ट का स्टे ऑर्डर लागू है। बताया गया कि कोर्ट से मिले स्टे ऑर्डर की जानकारी नगर निगम के रिकॉर्ड में मौजूद थी, लेकिन यह सूचना न तो पुलिस और न ही प्रशासनिक अधिकारियों को पहले से दी गई। इस वजह से मौके पर पहुंची टीम को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। करीब एक घंटे तक अधिकारियों ने कानूनी दस्तावेजों की जांच और आपसी मंथन किया।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट और जीएमडीए के नोडल अधिकारी आर.एस. बाठ ने बताया कि रिकॉर्ड एक विभाग से दूसरे विभाग में ट्रांसफर होने के कारण यह स्थिति बनी, जिससे कार्रवाई प्रभावित हुई। कि कोर्ट के आदेश के चलते संपत्ति को ध्वस्त नहीं किया जा सकता था, इसलिए नगर निगम अधिनियम के तहत प्रॉपर्टी टैक्स बकाया और नियम उल्लंघन के आधार पर संपत्ति को सील करने का फैसला लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रॉपर्टी रिहायशी श्रेणी में दर्ज है, लेकिन इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि ग्राउंड फ्लोर पर एक ऑनलाइन ग्रोसरी डिलीवरी कंपनी को किराए पर जगह दी गई थी, जबकि पहली मंजिल पर कमरे बनाकर उन्हें किराए पर उठाया गया था। कार्रवाई के दौरान पहली मंजिल को खाली करा दिया गया, जबकि ग्राउंड फ्लोर को अंदर रखे सामान सहित सील कर दिया गया। एसीपी क्राइम अभिलक्ष जोशी ने बताया कि गैंगस्टर सुनील उर्फ तोता पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत 35 से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल भोंडसी जेल में बंद है। पुलिस का उद्देश्य ऐसे अपराधियों की अवैध संपत्तियों को जब्त कर उनकी आर्थिक कमर तोड़ना है। उन्होंने बताया कि सुनील उर्फ तोता की गुरुग्राम के धनवापुर, सूरत नगर और बजघेड़ा इलाकों में स्थित संपत्तियों को चिन्हित किया गया है, जिनके खिलाफ आगे भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह भी जांच की जा रही है कि संबंधित प्रॉपर्टी पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए सीएलयू (Change of Land Use) की अनुमति ली गई थी या नहीं।

यमुनानगर सरकारी स्कूलों में घटे 10 हजार छात्र, विभाग अलर्ट

ड्रॉपआउट छात्रों की पहचान के लिए चार चरणों में विशेष सर्वे शुरू

परवेज खान | यमुनानगर
समर न्यूज़

जिले के सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। बीते एक वर्ष के भीतर 10 हजार 683 विद्यार्थियों की कमी दर्ज की गई है। इनमें से कितने छात्र पढ़ाई छोड़ चुके हैं और कितनों ने निजी स्कूलों का रुख किया है, इसका खुलासा शिक्षा विभाग द्वारा कराए जा रहे विशेष सर्वे से होगा।

ड्रॉपआउट दर को कम करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने चार चरणों में सर्वे शुरू किया है, जो 19 जनवरी तक चलेगा। इस अभियान के तहत पढ़ाई से बाहर हो चुके विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें दोबारा स्कूलों में दाखिल कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। पहले चरण में स्कूल स्तर पर सर्वे किया जा रहा है, जिसमें शिक्षक, शिक्षा स्वयंसेवक, स्काउट-गाइड, एनएसएस सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हैं। यह टीमें अनुसूचित जाति-जनजाति बहुल क्षेत्रों, प्रवासी परिवारों, सड़क पर रहने वाले बच्चों, अनाथ, बेघर, घुमंतु समुदायों और ईंट-भट्टों तक पहुंचकर 7 से 14 और 16 से 19 आयु वर्ग के ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को चिन्हित कर रही हैं। इस चरण की रिपोर्ट 9 जनवरी तक क्लस्टर हेड को सौंपी जाएगी। दूसरे चरण में 12 और 13 जनवरी को क्लस्टर स्तर पर रिपोर्ट संकलित कर बीईओ और बीआरसी को भेजी जाएगी। तीसरे चरण में 14 और 15 जनवरी को खंड स्तर पर डेटा एकत्र कर डीपीसी को सौंपा जाएगा। चौथे और अंतिम चरण में 16 से 19 जनवरी के बीच जिला स्तर पर सभी आंकड़े मुख्यालय को भेजे जाएंगे।

आंकड़ों के अनुसार, जिले के सरकारी स्कूलों में बीते दो वर्षों में कुल 20,635 विद्यार्थियों की कमी आई है। वर्ष 2022 में जहां छात्र संख्या 1,07,386 थी, वहीं 2023 में यह 1,07,212 रह गई। 2024 में यह घटकर 97,200 और 2025 में मात्र 86,517 पर पहुंच गई। सर्वे के बाद यह स्पष्ट होगा कि इनमें से कितने छात्र ड्रॉपआउट हुए और कितनों ने निजी स्कूलों में दाखिला लिया। सर्वे कार्य के दौरान शिक्षकों की भारी कमी सामने आ रही है। जिले के करीब एक दर्जन स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है, जबकि दो दर्जन स्कूलों में केवल एक शिक्षक तैनात है। ऐसे स्कूलों में क्लस्टर स्तर से अस्थायी व्यवस्था की जा रही है। इसके बावजूद, शीतकालीन अवकाश के दौरान शिक्षकों पर सर्वे का अतिरिक्त दबाव होने से अभियान की सफलता पर सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार सरकारी स्कूलों में ड्रॉपआउट बढ़ने के पीछे सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक कारण प्रमुख हैं। इसके अलावा शिक्षकों की कमी, बुनियादी ढांचे का अभाव, लगभग 600 रिक्त पद, डुअल डेस्क और स्कूल भवनों की खराब स्थिति भी बड़ी वजह मानी जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता ने बताया कि सर्वे के दौरान चिन्हित ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को दोबारा स्कूलों में लाने पर जोर दिया जाएगा। छह से सात वर्ष आयु के बच्चों का नजदीकी राजकीय प्राथमिक स्कूल में दाखिला कराया जाएगा, जबकि बड़े बच्चों के लिए पढ़ाई छोड़ने के कारणों की समीक्षा कर समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वे को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

नोटिस के बाद भी भुगतान न करने पर होगी संपत्ति सील

50 बड़े प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों पर कार्रवाई शुरू

अनिल मंगला | फरीदाबाद
समर न्यूज़

फरीदाबाद में नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स बकाया वसूली को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है। निगम ने एक लाख रुपये से अधिक टैक्स बकाया रखने वाले 50 बड़े बकायेदारों की सूची तैयार की है, जिनके खिलाफ मंगलवार से सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी।

नगर निगम की ओर से यह अभियान शहर के सभी पांच जोन में एक साथ चलाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, अलग-अलग चरणों में सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी, ताकि बड़े बकायेदारों से समय पर राजस्व की वसूली सुनिश्चित की जा सके।

इस सूची में निजी संपत्तियों के साथ-साथ सरकारी कार्यालय और विभाग भी शामिल हैं। हाल ही में बीएसएनएल कार्यालय पर 16 लाख रुपये का बकाया सामने आने पर सीलिंग की गई थी, जिसे टैक्स जमा होने के बाद खोल दिया गया था। इससे साफ है कि कार्रवाई में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

निगम अधिकारियों ने बताया कि सीलिंग से पहले सभी बकायेदारों को नोटिस जारी किए जाते हैं। यदि टैक्स बिल में कोई त्रुटि होती है तो संबंधित व्यक्ति या विभाग को निगम मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराने का अवसर दिया जाता है। निर्धारित समय में भुगतान न होने पर संपत्ति को सील कर दिया जाता है।

नगर निगम का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य बकाया टैक्स की वसूली के साथ-साथ शहर के विकास कार्यों के लिए जरूरी संसाधन जुटाना है, ताकि नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके।

पंचायती चुनाव विवाद : दो पक्षों में गोलीबारी

पुरानी रंजिश और पंचायत चुनाव की गुटबाजी ने लिया हिंसक रूप

अनिल मंगला | फरीदाबाद
समर न्यूज़

डीग गांव में पुरानी रंजिश के चलते रविवार की रात दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में जगदीश और योगेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना शराब के ठेके के पास हुई, जहां विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

घटना के विवरण के अनुसार, डीग गांव में लंबे समय से चल रही पंचायत चुनाव की गुटबाजी और पुरानी रंजिश ने इस हिंसक संघर्ष को जन्म दिया। आरोप है कि जगदीश को घेरकर तीन गोली मारी गई, जबकि योगेंद्र को भी पुराने विवाद के चलते गोली लगी। स्थानीय लोगों और परिवारों के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। घटना के समय मौके पर कई लोग मौजूद थे, जिनमें कपिल, मनोज, अजय, लक्ष्मण, नरेश, सौरव, जोगी, धर्मेंद्र, महेश और अन्य शामिल थे। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर हत्या के प्रयास, मारपीट और शस्त्र अधिनियम के तहत जांच शुरू कर दी है। फरीदाबाद पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की वारदात पंचायती चुनाव से जुड़ी गुटबाजी का परिणाम है। वर्तमान सरपंच पप्पू उर्फ जयवीर सिंह यादव के खिलाफ पहले से ही जानलेवा हमला करने के आरोप दर्ज हैं। हाई कोर्ट के आदेश के बाद पप्पू को बर्खास्त किया गया था, और गांव में वर्तमान में कार्यवाहक सरपंच के तहत पंचायती कार्य चल रहा है। क्राइम ब्रांच ने मामले में एक पक्ष के मोहित और अंकित, और दूसरे पक्ष के लक्ष्मण को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव में सुरक्षा बढ़ा दी है और आगे किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए निगरानी कड़ी कर दी है।

दिल्ली के रिमोट से चल रही हरियाणा सरकार: दीपेंद्र हुड्डा

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार दिल्ली से "रिमोट कंट्रोल" पर चल रही है, जिसके कारण प्रदेश के हितों की अनदेखी हो रही है। हुड्डा ने कहा कि सरकार की नाकामी के चलते हरियाणा के युवा रोजगार न मिलने पर अवैध रास्तों, यानी डंकी रूट के जरिए विदेश जाने को मजबूर हैं। दीपेंद्र हुड्डा ने पांच उदाहरण गिनाते हुए कहा कि एसवाईएल सिंचाई परियोजना में केंद्र में हरियाणा के लिए कोई ठोस पैरवी नहीं हुई। चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा भवन का निर्माण वर्षों से लटका है। रेलवे कोच फैक्ट्री, एयरपोर्ट और मेट्रो जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स अन्य राज्यों को दे दिए गए। हिसार का एकमात्र दूरदर्शन केंद्र बंद कर दिया गया और कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा को नजरअंदाज कर गुजरात को प्राथमिकता दी गई। नौकरियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ग्रुप ए और बी की नौकरियों में बाहरी राज्यों के युवाओं का दबदबा है और एचपीएससी में हरियाणा के योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल रहा।

सुरक्षा

पुलिस का महिला सुरक्षा पर रहेगा फोकस

जनसंवाद से अपराध पर नकेल कसेगी पुलिस

समर न्यूज़ | पंचकूला

जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और पुलिस जनता के बीच विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस ने एक नया जनसंवाद अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत पुलिस अधिकारी सीधे लोगों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाएंगे और अपराध रोकथाम में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

पुलिस का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है कि यदि वे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या संदिग्ध हरकत देखें, तो बिना डर के पुलिस को सूचना दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सूचना देने वाले नागरिक किसी भी तरह की कानूनी परेशानी में नहीं फंसेंगे। इस मुहिम में नशा तस्करी पर रोक और युवाओं को अपराध से दूर रखना प्रमुख प्राथमिकता है। इसी क्रम में सोमवार को सेक्टर-19 इंडस्ट्रियल एरिया में पंचकूला पुलिस और इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के बीच बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर व्यावहारिक समाधान निकालना रहा। बैठक में इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के चेयरमैन अरुण ग्रोवर, सेक्टर-19 पुलिस चौकी प्रभारी मलकीत सिंह सहित कई सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान चौकी प्रभारी मलकीत सिंह ने औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी औद्योगिक इकाइयों के बाहर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे और स्ट्रीट लाइट लगाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर रोशनी और निगरानी व्यवस्था से अपराधों पर अंकुश लगेगा और महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने सड़कों पर खड़े ट्रांसपोर्ट वाहनों के कारण लगने वाले जाम की समस्या का भी जिक्र किया। अवैध पार्किंग के चलते कर्मचारियों और आम नागरिकों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसे जल्द नियंत्रित करने की जरूरत है। इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि सड़कों पर रेहड़ी-फड़ी लगने से यातायात बाधित होता है और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने इस पर सख्त कार्रवाई और देर रात सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में पुलिस राइडर गश्त बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि बैठक में उठाए गए सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई है। महिला सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था, ट्रैफिक जाम, अवैध पार्किंग और देर रात सुरक्षा को लेकर पुलिस और इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के बीच समन्वय से कार्य करने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रयासों से सेक्टर-19 इंडस्ट्रियल एरिया को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुचारू बनाया जाएगा।

सांसद सैलजा ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

समर न्यूज़ | सिरसा

हरियाणा कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में भ्रष्टाचार के मामलों में 78.48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे हरियाणा देश में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा केवल कागजों तक सीमित है। सैलजा ने कहा कि राजस्व, पुलिस और प्रशासनिक विभागों में भ्रष्टाचार आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुका है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पारदर्शी और जवाबदेह शासन की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्री-बजट कंसल्टेशन अब हरियाणा के अन्य शहरों में भी होंगे

हितधारकों की भागीदारी से बनेगा विकास रोडमैप: मुख्यमंत्री

अनुज पंचाल | गुरुग्राम
समर न्यूज़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को गुरुग्राम पहुंचे, जहां उनकी उपस्थिति में हरियाणा विजन 2047 - प्री बजट कंसल्टेशन का पहला सत्र औपचारिक रूप से शुरू किया गया। इस सत्र का उद्देश्य प्रदेश के दीर्घकालिक विकास रोडमैप को तैयार करने और आगामी बजट से पहले विभिन्न वर्गों व सेक्टर्स से सुझाव जुटाना है।

इस अहम बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक मुकेश शर्मा, मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही उद्योग, व्यापार, स्टार्टअप, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार और सुझाव साझा किए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विजन 2047 का लक्ष्य राज्य को आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए सरकार बजट निर्माण से पहले सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है, ताकि नीतियां ज़मीनी जरूरतों के अनुरूप बनाई जा सकें।

प्री-बजट कंसल्टेशन सत्र में औद्योगिक विकास, निवेश को बढ़ावा, रोजगार सृजन, कौशल विकास, शहरी आधारभूत ढांचे और व्यापार सुगमता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार से नीतिगत स्थिरता, तेज मंजूरी प्रक्रिया और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान देने की मांग रखी।

सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि ऐसे प्री-बजट कंसल्टेशन सत्र प्रदेश के अन्य शहरों में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर वर्ग की आवाज को बजट प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

कांगड़ा जिले में 3,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर ट्रैकिंग पर प्रतिबंध, त्रिउंड और आदि हिमानी चामुंडा ट्रैक पर बिना अनुमति नहीं जा सकते

राहुल | धर्मशाला
समर न्यूज़

पर्यटकों और ट्रैकर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कांगड़ा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 3,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले सभी ट्रैकिंग मार्गों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष हेमराज बैरवा द्वारा जारी किए गए हैं। आदेशों के तहत जिले में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने वाली ट्रैकिंग गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लागू कर दी गई है।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय मौसम की अनिश्चितता, संभावित प्राकृतिक आपदाओं और पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। विशेष रूप से करेरी, त्रिउंड और आदि हिमानी चामुंडा जैसे लोकप्रिय ट्रैकिंग मार्गों पर जाने के लिए अब पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। ट्रैकर्स को इन मार्गों पर जाने से पहले पुलिस अधीक्षक, कांगड़ा के कार्यालय से अनुमति प्राप्त करनी होगी।जारी आदेशों में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), शिमला द्वारा किसी भी प्रकार की चेतावनी या मौसम अलर्ट जारी किया जाता है, तो इन ट्रैकिंग मार्गों के लिए दी गई सभी पूर्व अनुमतियां स्वतः निरस्त मानी जाएंगी। ऐसे में किसी भी व्यक्ति को ट्रैकिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी।हालांकि, इन प्रतिबंधों से आपदा प्रबंधन से जुड़ी एजेंसियों को छूट प्रदान की गई है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पर्वतारोहण केंद्र मैक्लोडगंज तथा पुलिस के खोज एवं बचाव दलों को आवश्यक परिस्थितियों में इन क्षेत्रों में कार्य करने की अनुमति रहेगी।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि जिला प्रशासन समय-समय पर पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे आदेश जारी करता है। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि कांगड़ा जिले में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े सभी हितधारकों, जैसे होटल, गेस्ट हाउस, ट्रैवल एजेंसियों और टूर ऑपरेटरों को इन प्रतिबंधों की जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाए। इसके साथ ही पर्यटकों को ट्रैकिंग से संबंधित पाबंदियों और उल्लंघन की स्थिति में लागू होने वाले दंडात्मक प्रावधानों से भी अवगत कराया जाए। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि इन आदेशों की कड़ाई से अनुपालना सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके और पर्यटकों की सुरक्षा को पूरी तरह सुनिश्चित किया जा सके।

सुखाश्रय के 52 बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा

संजू | शिमला
समर न्यूज़

सीएम सुक्खू पत्रकारों से बातचीत करते हुए। - समर न्यूज़

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को शिमला सचिवालय से 'चिल्ड्रन ऑफ स्टेट' श्रेणी के 52 बच्चों को 10 दिवसीय शैक्षणिक एवं मनोरंजन भ्रमण के लिए रवाना किया। यह भ्रमण मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री ने वॉल्वो बस को हरी झंडी दिखाकर बच्चों को गोवा के लिए रवाना किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस 10 दिवसीय दौरे के दौरान बच्चे चंडीगढ़, दिल्ली, आगरा और गोवा जैसे प्रमुख शहरों का भ्रमण करेंगे। यात्रा के दौरान बच्चों को शैक्षणिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन से जुड़े अनुभव प्रदान किए जाएंगे, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। सरकार की ओर से बच्चों की यात्रा, ठहराव और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। शिमला से बच्चों को वॉल्वो बस के माध्यम से भेजा गया है, जबकि आगे की यात्रा में उन्हें हवाई जहाज से भी सफर कराया जाएगा। इसके अलावा बच्चों के ठहरने के लिए थ्री-स्टार होटल की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया है, उनकी जिम्मेदारी अब राज्य सरकार की है। सरकार इन बच्चों की अभिभावक की भूमिका निभा रही है और उन्हें परिवार जैसा माहौल देने का प्रयास कर रही है। इसी सोच के तहत इन बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जिलों से भी ऐसे बच्चों को भ्रमण पर भेजने के लिए उपायुक्तों को निर्देश दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नववर्ष की शुरुआत में राज्य सरकार ने करुणा मूलक आश्रितों को बड़ी राहत दी है। पहले चरण में 980 करुणा मूलक आश्रितों को रोजगार प्रदान करने की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य जरूरतमंद वर्गों को सम्मानजनक जीवन और बेहतर भविष्य प्रदान करना है, और इस दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

शिक्षकों ने केंद्र व राज्य सरकार से उठाई कई लंबित मांगें

NPS के 12 हजार करोड़ पर जल्द फैसला हो

संजू | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों से जुड़ी नई पेंशन योजना (NPS) के तहत केंद्र सरकार के पास लंबित करीब 12 हजार करोड़ रुपये की राशि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस गंभीर मुद्दे पर हिमाचल राजकीय अध्यापक संघ ने केंद्र सरकार से शीघ्र और स्पष्ट निर्णय लेने की मांग की है। संघ का कहना है कि यह मामला कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य और सामाजिक सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की देरी कर्मचारियों की चिंता बढ़ा रही है। हिमाचल राजकीय अध्यापक संघ के राज्य अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ओल्ड पेंशन स्कीम (OPS) लागू किए जाने के बाद NPS/NSDL से संबंधित लंबित राशि पर निर्णय और भी जरूरी हो गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विषय किसी राजनीतिक दल या विचारधारा से जुड़ा नहीं है, बल्कि हजारों कर्मचारियों के हित और उनके भविष्य की सुरक्षा से संबंधित है।संघ ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि राज्य सरकार से संवाद और समन्वय स्थापित कर इस समस्या का समाधान निकाला जाए, ताकि कर्मचारियों में फैला भ्रम और अनिश्चितता समाप्त हो सके।इसके साथ ही संघ ने राज्य सरकार के समक्ष भी कई मांगें रखी हैं। इनमें दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को वर्ष में दो बार नियमित करने, हाल ही में पदोन्नत प्रधानाचार्यों को शीघ्र स्टेशन आवंटित करने तथा पदोन्नति से वंचित पात्र शिक्षकों के लिए सप्लीमेंट्री सूची जारी करने की मांग प्रमुख है।संघ ने कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस योजना के साथ मेडिकल अलाउंस का विकल्प बहाल करने, स्कूल शिक्षा बोर्ड की लेट फीस और पेनल्टी समाप्त करने तथा केंद्र सरकार की तर्ज पर नया वेतन आयोग शीघ्र लागू करने की भी मांग उठाई है।

साइबर ब्लैकमेलिंग गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग से ठगी, आरोपी तीन दिन के पुलिस रिमांड पर

अरविन्द | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर जिले में साइबर अपराध के एक गंभीर और संवेदनशील मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने वर्ष 2022 की वीडियो कॉल ब्लैकमेलिंग की घटना में शामिल एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग से जुड़े इस मामले में आरोपियों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को निशाना बनाकर लंबे समय तक मानसिक प्रताड़ना दी और लाखों रुपये की ठगी की। पुलिस की इस कार्रवाई को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद इरफान (24) पुत्र मोहम्मद हसीब, निवासी बाराबंकी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी को शनिवार देर रात उत्तर प्रदेश में दबिश देकर पकड़ा गया, जिसके बाद उसे पूछताछ के लिए हमीरपुर लाया गया। यह मामला हमीरपुर सदर थाना क्षेत्र से संबंधित है, जहां पीड़ित बुजुर्ग ने लगातार ब्लैकमेलिंग और आर्थिक शोषण से परेशान होकर शिकायत दर्ज करवाई थी।जांच में सामने आया कि साइबर अपराधियों ने एक मोबाइल ऐप के जरिए पीड़ित से संपर्क साधा। शुरुआती बातचीत को सामान्य और भरोसेमंद बनाया गया, ताकि पीड़ित को झांसे में लिया जा सके। कुछ समय बाद उसे वीडियो कॉल के लिए उकसाया गया। वीडियो कॉल के दौरान सामने मौजूद युवती ने खुद को आपत्तिजनक अवस्था में दिखाया और उसी दौरान पूरी कॉल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली गई। इसी रिकॉर्डिंग को बाद में ब्लैकमेलिंग का हथियार बनाया गया।

रिकॉर्डिंग के आधार पर पीड़ित को सामाजिक बदनामी और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। आरोपी बार-बार वीडियो को वायरल करने की बात कहकर पैसों की मांग करते रहे। डर और दबाव में आकर पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में कई बार पैसे ट्रांसफर किए। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि इस पूरे प्रकरण में करीब 16 लाख रुपये की ठगी की गई। इसके बावजूद आरोपियों की मांगें खत्म नहीं हुईं और ब्लैकमेलिंग का सिलसिला लगातार चलता रहा।लगातार मानसिक तनाव और आर्थिक नुकसान से परेशान होकर अंततः पीड़ित ने हिम्मत जुटाई और हमीरपुर सदर पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी जांच शुरू की। बैंक ट्रांजेक्शन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, मोबाइल ऐप्स और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई।

जांच के दौरान पुलिस को एक संगठित साइबर ब्लैकमेलिंग गिरोह के संकेत मिले। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को निशाना बनाता था। आरोपी सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर ऐसे लोगों की पहचान करते थे, जिनकी प्रोफाइल या डीपी में महिला की तस्वीर लगी होती थी। इसके बाद बातचीत बढ़ाकर वीडियो कॉल के लिए फंसाया जाता और रिकॉर्डिंग कर ब्लैकमेल किया जाता था।मामले की पुष्टि करते हुए हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2022 के इस साइबर ब्लैकमेलिंग मामले में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा गिरफ्तार आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गिरोह के अन्य सदस्यों, इस्तेमाल किए गए बैंक खातों, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ी अहम जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

बिजली बोर्ड पेंशनर फोरम की बैठक

संजीव महाजन | नूरपुर
समर न्यूज़

नूरपुर उपमंडल में विद्युत बोर्ड पेंशनर फोरम इकाई की मासिक बैठक विद्युत विश्राम गृह, बोड़ जसूर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इकाई प्रधान मान सिंह ने की, जिसमें बड़ी संख्या में पेंशनरों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य मुद्दा सरकारी विभागों पर लंबित बिजली बिलों की वसूली, कर्मचारियों-पेंशनरों की लंबित मांगें और प्रस्तावित बिजली संशोधन बिल-2025 रहा। बैठक में पेंशनर फोरम ने बताया कि आईपीएच, स्वास्थ्य, पीडब्ल्यूडी और अस्पतालों सहित विभिन्न सरकारी विभागों पर बिजली बोर्ड के लगभग 644 करोड़ रुपये के बिल बकाया हैं। पेंशनरों ने इन बकायों की तुरंत वसूली की मांग करते हुए कहा कि इससे बोर्ड की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है। फोरम का कहना है कि यदि समय रहते राशि जमा नहीं करवाई गई तो प्रबंधन को संबंधित विभागों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। राज्य उपाध्यक्ष पवन मोहल ने कहा कि बोर्ड के आर्थिक संसाधनों की मजबूती के लिए बकाया वसूली जरूरी है, ताकि कर्मचारियों और पेंशनरों के वित्तीय लाभ समय पर जारी हो सकें। बैठक में फ्री बिजली नीति पर भी सवाल उठाए गए और इसे बोर्ड के हितों के खिलाफ बताया गया।

ई-गवर्नेंस में हिमाचल देश का अग्रणी राज्यः मुख्यमंत्री

सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ आईटी एंड ई-गवर्नेंस इन हिमाचल प्रदेश की सामान्य सभा की बैठक हुई

समर न्यूज़ | शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग से हिमाचल प्रदेश आज देश में ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार ने तकनीक को केवल प्रशासनिक औजार न मानकर इसे आम नागरिकों के जीवन को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने का माध्यम बनाया है। दूर-दराज, दुर्गम और जनजातीय क्षेत्रों तक डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुशासन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

सोमवार सायं सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ आईटी एंड ई-गवर्नेंस इन हिमाचल प्रदेश की सामान्य सभा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने विभिन्न आईटी आधारित एप्लीकेशन्स और सॉफ्टवेयर की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिक-केंद्रित, सुरक्षित और उपयोगकर्ता-अनुकूल हों। सरकारी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विकसित 'हिम उपस्थिति' एप्लीकेशन को और अधिक पारदर्शी व भरोसेमंद बनाने पर बल दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक का उद्देश्य निगरानी नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि 'हिम एक्सेस पोर्टल' पर प्रदेश सरकार के सभी कर्मचारियों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा और एक माह के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान एसेट मैपिंग एप्लीकेशन का शुभारंभ भी किया गया, जिससे नागरिकों की संपत्तियों से जुड़ा समग्र डाटा उपलब्ध होगा और नीति निर्माण व आधारभूत ढांचे के विकास में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने हिम सेवा पोर्टल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित दस्तावेज सत्यापन प्रणाली को एकीकृत करने की जानकारी दी। यह प्रणाली आवेदन के समय ही दस्तावेजों की जांच कर त्रुटियों की पहचान करेगी, जिससे अनावश्यक अस्वीकृति और देरी से बचा जा सकेगा। इससे नागरिकों को बेहतर डिजिटल अनुभव मिलेगा और अधिकारियों पर कार्यभार कम होगा। उन्होंने हिम परिवार पोर्टल को पंचायत स्तर तक सशक्त करने, सामाजिक-आर्थिक डाटा और भूमि रिकॉर्ड को इससे जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में एआई और ब्लॉकचेन तकनीक के माध्यम से शासन को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा।

इस अवसर पर लोक मित्र केंद्रों की संख्या बढ़ाने और उनके संचालकों की समस्याओं के समाधान पर भी जोर दिया गया। बैठक में डेलॉइट के 'आरोहण-2025' सम्मेलन में हिम परिवार परियोजना को मिली विशेष मान्यता की जानकारी दी गई।

वकील पर हमले के विरोध में प्रदर्शन

समर न्यूज़ | सोलन

वकील के साथ हुई मारपीट की घटना में अब तक मामला दर्ज न होने और जांच प्रक्रिया में कथित देरी के विरोध में सोलन बार एसोसिएशन ने मंगलवार को जिला प्रशासन कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में वकीलों ने एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और शीघ्र न्याय की मांग की। प्रदर्शन कर रहे वकीलों का कहना है कि एक अधिवक्ता के साथ हुई गंभीर घटना के बावजूद पुलिस और प्रशासन की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई, जिससे कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले की जांच में जानबूझकर ढिलाई बरती जा रही है और जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने मांग की कि घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करवाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले की जांच कर रहे संबंधित पुलिस कर्मी पर भी सवाल उठाते हुए उसके खिलाफ मामला दर्ज करने और तत्काल निलंबन की मांग की।

सेलिब्रेशन

जयराम ठाकुर को जन्मदिन पर भाजपा प्रतिनिधिमंडल दे दी शुभकामनाएं

भाजपा नेताओं ने गिनाईं पूर्व सीएम जयराम सरकार की उपलब्धियां

समर न्यूज़ | शिमला

जन्मदिन के अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवास पर भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दी। - समर न्यूज़

नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवास पर भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष कमल सूद, मीडिया संयोजक कर्ण नंदा, सह मीडिया संयोजक रमा ठाकुर सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने जयराम ठाकुर के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण की कामना की।

प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने इस अवसर पर कहा कि जयराम ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश में किसानों, बागबानी, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई, जिससे प्रदेश के किसानों को सीधा लाभ पहुंचा। कृषि बजट में 40 प्रतिशत से अधिक, बागबानी बजट में 85 प्रतिशत से ज्यादा तथा पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई।संजीव कटवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे उनकी आय में स्थिरता आई।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत बड़ी संख्या में किसानों को अल्पकालिक ऋण उपलब्ध करवाया गया, जिससे खेती-किसानी को बढ़ावा मिला। फसल बीमा योजनाओं के अंतर्गत किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देने का प्रयास किया गया।उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर सरकार ने चाय की खेती, एंटी हेल नेट जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा। लाहौल-स्पीति जैसे क्षेत्रों में हींग की खेती की शुरुआत कर किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित किए गए।

आपदा प्रभावित लेखराज की मदद के लिए

रविदास सभा ने 10 हजार का चेक किया भेंट

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज़

गुरु रविदास महासभा मंडी आपदा प्रभावित टारना निवासी लेखराज की आर्थिक सहायता के लिए मददगार बनी हैं। महासभा ने आपदा प्रभावित लेखराज की आर्थिक रूप में मदद करते हुए उसे 10 हजार का चेक भेंट किया। सभा की राज्य अध्यक्षा सीमा कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने लेखराज को यह चेक भेंट किया। बता दें कि बीते साल 30 जून को आयी आपदा में लेखराज का मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। इस मौके पर गुरु रविदास महासभा की राज्य अध्यक्ष सीमा कुमारी ने कहा कि गुरु रविदास महासभा ने आपदा के समय भी मंडी जिला में राहत राशि और राहत सामग्री वितरित करने का कार्य किया है। संस्था को जैसे आपदा प्रभावित लेखराज के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने इनकी मदद करने की सोची और आज इन्हें सहायता स्वरूप एक चेक भेंट किया गया है। महासभा के द्वारा जिला में आयी आपदा के दौरान सराज आपदा प्रभावितों को ढेड़ लाख और पंडोह आपदा प्रभावितों को 40 हजार के चेक वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही समय समय पर संस्था अन्य माध्यमों से भी जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा आगे रहती है। वहीं आपदा प्रभावित लेखराज ने बताया कि मकान बनाने के लिए प्रदेश सरकार से भी उन्हें अभी तक 7 लाख में 4 लाख उनके खाते में आ गए हैं। उन्होंने इस आर्थिक सहायता के लिए गुरु रविदास महासभा का धन्यवाद किया है। इस मौके पर गुरु रविदास महासभा की जिला अध्यक्षा मीना बग्गा और महासचिव भगत राम भी मौजूद रहे।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी पर किया चाकू से हमला, आरोपी पति गिरफ्तार

बेटे ने कहा, पिता आए दिन शराब पीकर करता था मां से मारपीट

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

धनास क्षेत्र स्थित कच्ची कॉलोनी में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नशे की हालत में एक पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में महिला घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़िता के बेटे की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान महाजन के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता राकेश कुमार ने बताया कि आरोपी उसका

आरोपी पति -समर न्यूज़

पिता है, जो लंबे समय से परिवार से अलग रह रहा था। राकेश के अनुसार, उसके पिता शराब पीने का आदी है और नशे की हालत में आए दिन उसकी मां पार्वती के साथ मारपीट करता था। इसी घरेलू हिंसा से परेशान होकर उसकी मां बच्चों के साथ धनास की कच्ची कॉलोनी में रहने लगी थी। राकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उसकी मां पार्वती सेक्टर-19 में काम करती है। सोमवार रात करीब 9 बजे, काम खत्म करने के बाद आरोपी जबरदस्ती उसे अपनी रेहड़ी पर बैठाकर धनास ले आया। उस समय आरोपी के साथ उसका भांजा और एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। आरोप है कि आरोपी पहले से ही शराब के नशे में था। धनास पहुंचने के बाद आरोपी ने पार्वती के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। बहस के दौरान आरोपी ने अचानक चाकू निकाला और पार्वती के पेट पर वार कर दिया। महिला ने बचने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने एक और वार किया, जो उसके हाथ पर लगा। हमले में महिला लहूलुहान होकर चीखने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर सहारनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को वहीं से गिरफ्तार कर लिया। घायल महिला को एंबुलेंस के जरिए सेक्टर-16 अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। शिकायत में यह भी सामने आया है कि घटना से पहले चांदी की पायल को लेकर विवाद हुआ था।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हरदीप कौर साहित्यकारा किरण बेदी अवार्ड से सम्मानित

सारांश मेहरा | चंडीगढ़
समर न्यूज़

पंजाबी साहित्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी लेखिका व पत्रकार हरदीप कौर को उनकी सशक्त लेखनी और निरंतर साहित्यिक गतिविधियों के लिए अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सथ, चंडीगढ़ द्वारा साहित्यकारा किरण बेदी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 4 जनवरी को पंजाब कला भवन, सेक्टर-16, चंडीगढ़ में आयोजित तीसरे राज्य स्तरीय कवि दरबार एवं काव्य संग्रह 'तेरी रहमत' के लोकार्पण समारोह के दौरान प्रदान किया गया। हरदीप कौर की चर्चित पुस्तक 'श्मशान घाट सौं गया' पहले ही पंजाबी साहित्य जगत में विशेष पहचान बना चुकी है, जिसका विमोचन पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने किया था। समारोह में वक्ताओं ने उनकी लेखनी को समाज के हाशिये की प्रभावशाली आवाज बताया।

14 सालों से फरार भगौड़े को पुलिस ने पकड़ा

समर न्यूज़ | पंचकूला

पुलिस द्वारा फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। कानून से भाग रहे भगौड़ों को पकड़कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्रवाई करते हुए पंचकूला पुलिस ने एक लंबे समय से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो बीते 14 वर्षों से पुलिस और अदालत को चकमा दे रहा था। पंचकूला पुलिस की पीओ स्टाफ इन्चार्ज निरीक्षक विरेन्द्र नैन के नेतृत्व में गठित टीम ने 14 साल से फरार चल रहे भगौड़े गुप्त सूचना के आधार पर 5 जनवरी को पंजाब से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुलाब, निवासी मोहाली के रूप में हुई है, जिसे वर्ष 2011 में चेक बाउंस के एक मामले में अदालत द्वारा भगौड़ा घोषित किया गया था। आरोपी बार-

डीसीपी क्राइम जानकारी देते हुए। -समर न्यूज़

बार कोर्ट और पुलिस की नोटिस के बावजूद न्यायिक प्रक्रिया में शामिल नहीं हुआ और लंबे समय तक फरार रहकर कानून से बचता रहा।

डीसीपी क्राइम एंट ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि ऐसे कई आरोपी अदालत से जमानत पर रिहा होने के बाद जानबूझकर न्यायालय में पेश नहीं होते, जिसके चलते अदालत उन्हें उद्घोषित अपराधी घोषित कर देती है। इन भगौड़ों के खिलाफ चेक बाउंस, चोरी, नशा तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज होते हैं। कई मामलों में आरोपियों पर एक से अधिक केस दर्ज पाए गए हैं और कुछ आरोपी जमानत मिलने के बाद फरार हो गए थे। पंचकूला पुलिस ने वर्ष 2025 के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों में छापेमारी कर अब तक 291 भगौड़ों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। वहीं, वर्ष 2024 में भी पुलिस द्वारा 209 भगौड़ों को गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

पुलिस ने घायल कुत्ते का सामाजिक संस्था की मदद से करवाया इलाज

समर न्यूज़ | पंचकूला

पुलिस द्वारा केवल कानून व्यवस्था ही नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया गया है। पुलिस की तत्परता के चलते एक घायल बेजुबान की जान बचाई जा सकी। पंचकूला पुलिस की ईआरवी 531 पर तैनात मुख्य सिपाही प्रवीन, एसपीओ कुलजीत सिंह और चालक मंगल को बेलाविस्टा होटल के पास सड़क दुर्घटना में एक छोटे कुत्ते के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही ईआरवी टीम ने बिना किसी देरी के तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। घायल बेजुबान की नाजुक हालत को देखते हुए तुरंत एनिमल संस्था से संपर्क किया गया तथा रिक्की धर्माणी को पूरे घटनाक्रम से अवगत करवाया गया। एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह ने

बताया कि इसके पश्चात मौके पर भाऊ प्रोजेक्ट की टीम पहुंची, जिनके सहयोग से घायल कुत्ते का तत्काल उपचार सुनिश्चित किया गया। समय पर इलाज मिलने से बेजुबान को काफी राहत मिली और उसकी हालत में सुधार हुआ। पुलिस की ईआरवी 531 की इस संवेदनशील और सराहनीय कार्यवाही ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुलिस केवल कानून की रक्षक ही नहीं, बल्कि इंसानियत, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भी प्रतीक है।

अमेरिका में भारतीय युवती की हत्या मामला; पिता का बड़ा खुलासा

निकिता के परिजनों का आरोप, अर्जुन शर्मा ने बिना अनुमति के निकिता के बैंक खाते से निकाले थे पैसे

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

अमेरिका के कोलंबिया में डेटा और स्ट्रैटेजी एनालिस्ट निकिता गोडिशला की हत्या के मामले में परिजनों ने नए और गंभीर खुलासे किए हैं। मृतका के पिता आनंद गोडिशला ने स्पष्ट किया कि चंडीगढ़ निवासी आरोपी युवक अर्जुन शर्मा निकिता का बॉयफ्रेंड नहीं, बल्कि केवल उसका रूममेट था। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में उनकी बेटी की हत्या की गई। आनंद गोडिशला ने बताया कि जिस घर में निकिता रहती थी, वहां अर्जुन समेत कई अन्य लोग भी रहते थे। सभी ने मिलकर जॉइंट तौर पर रहने की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि मीडिया में अर्जुन को निकिता का एक्स बॉयफ्रेंड बताया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है।

मृतक निकिता की फाइल फोटो। - समर न्यूज़

पिता के अनुसार, अर्जुन ने निकिता से काफी रकम उधार ली थी। जब उससे पैसे लौटाने को कहा गया तो उसने कथित तौर पर हत्या कर दी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए जानकारी मिली कि हत्या के बाद 2 जनवरी को अर्जुन ने निकिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और उसी दिन अमेरिका छोड़कर भारत भाग गया। इस मामले में निकिता की चचेरी बहन सरस्वती गोडिशला ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन शर्मा ने बिना अनुमति के निकिता के बैंक खाते से करीब 3,500 अमेरिकी डॉलर (लगभग 3.16 लाख रुपये) निकलवाए थे, जिन्हें उसने वापस नहीं किया। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। सरस्वती का आरोप है कि अर्जुन ने इलाज का झूठा बहाना बनाकर भारत लौटने की तैयारी की और इससे पहले भी वह निकिता व उसके परिवार से बार-बार पैसों की मांग करता रहा।

परिवार ने अर्जुन पर आर्थिक शोषण के आरोप लगाते हुए भारतीय दूतावास से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। परिजनों ने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की है कि निकिता के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उसके पैतृक घर हैदराबाद भेजने की व्यवस्था की जाए, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। आनंद गोडिशला ने कहा कि परिवार अभी भी इस घटना से सदमे में है और पूरे मामले की निष्पक्ष व गहन जांच चाहता है। उन्होंने अमेरिकी और भारतीय अधिकारियों के बीच समन्वय कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं, चंडीगढ़ में आरोपी अर्जुन शर्मा के घर का सटीक पता अब तक सामने नहीं आ सका है।

प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टरों पर सख्ती, आज से सील होंगी संपत्तियां

सारांश मेहरा | मोहाली
समर न्यूज़

साहिबजादा अजीत सिंह नगर में नगर निगम ने लंबे समय से प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया न चुकाने वाले डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रवर्तन अभियान को और तेज कर दिया है। विशेष रूप से बड़े वाणिज्यिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर नगर निगम की कार्रवाई केंद्रित है। नगर निगम आयुक्त परमिंदर पाल सिंह ने बताया कि बार-बार नोटिस और पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद जिन संपत्ति मालिकों ने प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं कराया है, उनके खिलाफ पंजाब म्युनिसिपल कॉरपोरेशन एक्ट, 1976 की धारा 138-सी के तहत सीलिंग नोटिस जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकाया प्रॉपर्टी टैक्स, पेनल्टी और ब्याज सहित जमा कराने के लिए तीन दिन का अंतिम अवसर दिया गया था और 7 जनवरी 2026 से बिना किसी अतिरिक्त सूचना के डिफॉल्टिंग संपत्तियों को सील किया जाएगा। संयुक्त आयुक्त जसजीत सिंह ने जानकारी दी कि मौजूदा चरण में चार संपत्ति मालिकों और कब्जाधारकों ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर अपनी प्रॉपर्टी टैक्स असेसमेंट प्रक्रिया पूरी करवाई है, जबकि तीन संपत्ति मालिकों ने करीब सात लाख रुपये की बकाया राशि जमा कराई है। नगर निगम ने इस अनुपालन की सराहना की है, लेकिन साथ ही यह भी चेतावनी दी है कि यदि डिफॉल्ट जारी रहता है तो संपत्तियों को सील करने के साथ-साथ आगे चलकर नीलामी जैसी कठोर कार्रवाई भी की जा सकती है। नगर निगम का कहना है कि यह कदम राजस्व की वसूली सुनिश्चित करने और नागरिकों के हित में शहरी ढांचे व सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। कानून के तहत सभी बकाया राशि की वसूली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

हरियाणा जम्मू कश्मीर संवाद 3 का हुआ आयोजन

समर न्यूज़ | पंचकूला

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी तथा मीडिया छात्र संगठन द्वारा अकादमी के महाराजा दाहिर सेन सभागार में हरियाणा जम्मू कश्मीर संवाद तीन का आयोजन किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर से हरियाणा की यात्रा पर आए लगभग 35 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के अध्यक्ष अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों का आपस में संवाद कार्यक्रम निरंतर चलना चाहिए। उन्होंने कहा की हमें अपनी जड़ों से जुड़कर भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति को समृद्ध करना होगा। बच्चों में मूल प्रतिभा का विकास उनकी अपनी मातृभाषा के माध्यम से ही होता है। उन्होंने कहा की वर्तमान में श्रीनगर और जम्मू के बीच रेल संपर्क स्थापित किया गया है इससे प्रदेश के सांस्कृतिक एवं

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग। - समर न्यूज़

आर्थिक विकास को गति मिलेगी। जम्मू कश्मीर से पधारे विद्यार्थियों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि समाज विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक शोध की बहुत आवश्यकता है। इतिहास लेखन एवं साहित्य लेखन में कश्मीर का विशेष स्थान रहा है। इस अवसर पर मीडिया छात्र संगठन के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने अध्ययन यात्रा दल के उद्देश्यों एवं उपलब्धियां पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला। जम्मू कश्मीर के विद्यार्थियों के इस अध्ययन दल को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने हरियाणा सरकार की पहल कदमी का स्वागत किया। इस अवसर पर संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉक्टर चितरंजन दयाल सिंह कौशल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सनातन परंपरा की समृद्धि के लिए छात्र-छात्राओं को विशेष योगदान करना होगा। उन्होंने जम्मू कश्मीर की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का उल्लेख करते हुए इसे और समृद्ध करने की अपील की। इस अवसर पर छात्र नेता राबिना तथा बुरहान द्वारा अध्ययन दल के अनुभव सांझा किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विजेंद्र कुमार द्वारा किया गया।

वॉकाथॉन के साथ यूथ अगेंस्ट ड्रग्स अभियान का समापन समारोह आयोजित

सारांश मेहरा | मोहाली
समर न्यूज़

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर द्वारा चलाया गया एक माह का अभियान यूथ अगेंस्ट ड्रग्स सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के समापन अवसर पर एक वॉकाथॉन का आयोजन किया गया, जो मानव मंगल स्मार्ट स्कूल, सेक्टर-88, मोहाली से प्रारंभ होकर जिला न्यायालय परिसर, मोहाली तक निकाला गया। इस वॉकाथॉन का नेतृत्व माननीय न्यायमूर्ति हरिसिमरन सिंह सेठी, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़, जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल कसाना तथा नवजोत कौर, सदस्य सचिव, पंजाब राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सुरभि प्रशार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर ने बताया कि वॉकाथॉन में जगदीप कौर, अतिरिक्त सदस्य सचिव, पंजाब विधिक सेवा

वॉकाथॉन करते हुए अधिकारी व अन्य लोग। - समर न्यूज़

प्राधिकरण, सत्र न्यायालय मोहाली में तैनात न्यायिक अधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पैरा लीगल वॉलंटियर्स तथा चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, घड़ूआं के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति हरिसिमरन सिंह सेठी द्वारा प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। अभियान के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यूथ अगेंस्ट ड्रग्स अभियान की शुरुआत पंजाब राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गत वर्ष 6 दिसंबर को की गई थी, जिसका नेतृत्व माननीय न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा किया जा रहा है। अभियान के दौरान पैनल अधिवक्ताओं, पैरा लीगल वॉलंटियर्स, स्थानीय प्रशासन तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभागों के सहयोग से रैलियां, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों में नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में भाषण प्रतियोगिता, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, चार्ट मेकिंग तथा नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

कृषि विभाग ने किसान कल्याण योजनाओं को लेकर की समीक्षा बैठक

समर न्यूज़ | मोहाली

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, मोहाली द्वारा वर्ष 2026 की पहली बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. गुरमेल सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने विभाग के समस्त स्टाफ को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए संचालित कार्यक्रमों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में आने वाले समय में किसानों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं जैसे सूरजमुखी बीज, कृषि मशीनरी, तिलहन और दालों की मिनी किट, जिप्सम और जंतर की उपलब्धता की जानकारी साझा की गई।

डॉ. गुरमेल सिंह ने विशेष रूप से प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सरकार द्वारा दी जा रही 4,000

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी बैठक करते हुए। - समर न्यूज़

रुपये की वित्तीय सहायता और उनके खेतों से लिए गए मिट्टी के नमूनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा सरकार की 'सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन' योजना के तहत कृषि मशीनरी की खरीद को लेकर डिप्टी कमिश्नर साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर के निर्देशों के अनुसार प्रशासनिक परिसर में ड्रा भी निकाला गया। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत मशीनरी की खरीद के लिए जून 2025 में विज्ञापन जारी किया गया था, लेकिन करीब 62 लाख रुपये की राशि बकाया रह गई थी, जिसके लिए सरकार से दोबारा स्वीकृति प्राप्त कर किसानों को आवश्यक मशीनरी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है। बैठक में जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. गुरमीत सिंह राय, कृषि अधिकारी डॉ. शुभकरण सिंह, डॉ. रमन करोड़िया, योजना के नोडल अधिकारी डॉ. गुरदियाल कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र, सहकारी सभाओं, लीड बैंक, प्रगतिशील किसानों तथा विभाग के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजन

संगोष्ठी का उद्देश्य डिजिटल युग में संचार, संस्कृति, समाज, राजनीति, मीडिया और तकनीक के बदलते स्वरूप

सेक्टर-1 कॉलेज में डिजिटल परिवर्तन पर केंद्रित नेशनल सेमिनार का होगा आयोजन

समर न्यूज़ | पंचकूला

सेक्टर-1 स्थित गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन्स कम्युनिकेशन, संस्कृति और समाज पर अंतर्विषयक दृष्टिकोण पर एक दिवसीय राष्ट्रीय बहुविषयक सेमिनार का आयोजन आगामी 29 जनवरी को किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा द्वारा प्रायोजित है।

संगोष्ठी का उद्देश्य डिजिटल युग में संचार, संस्कृति, समाज, राजनीति, मीडिया और तकनीक के बदलते स्वरूप पर गंभीर अकादमिक विमर्श को बढ़ावा देना है। देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, मीडिया

सेक्ट-1 कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शैलजा छाबड़ा। - समर न्यूज़

पेशेवरों और विद्यार्थियों को इस सेमिनार में सक्रिय सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया है।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शैलजा छाबड़ा ने कहा कि डिजिटल युग में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि समकालीन सामाजिक और तकनीकी परिवर्तनों पर अकादमिक संवाद को आगे बढ़ाना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उच्चतर शिक्षा निदेशक, हरियाणा के सहयोग एवं प्रायोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

संगोष्ठी की संयोजक डॉ. चित्रा तनवर ने कहा कि यह सेमिनार संकाय सदस्यों और शोधार्थियों को डिजिटल मीडिया, संस्कृति, राजनीति और समाज से जुड़े विषयों पर अपने शोध प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करती है।

सह संयोजक नवीन कुमार ने कहा कि हाइब्रिड मोड में आयोजित यह सेमिनार संकाय सदस्यों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जिससे भौगोलिक सीमाओं के बिना व्यापक अकादमिक सहभागिता संभव हो सकेगी।

सेमिनार के आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने जानकारी दी कि सेमिनार के चयनित शोधपत्रों को ISBN पुस्तक/सेमिनार प्रोसीडिंग्स के रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिससे संकाय सदस्यों और शोधार्थियों को अकादमिक लाभ मिलेगा। सेमिनार हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा, जिसमें हरियाणा के बाहर के संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से भी भाग ले सकेंगे।

कॉलेज प्रशासन एवं आयोजन समिति देशभर के सभी संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों से इस उच्चतर शिक्षा निदेशक, हरियाणा द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सक्रिय सहभागिता का आग्रह करती है।

भस्त्रिका से लेकर भ्रामरी तक, मलाइका अरोड़ा ने बताया कैसे ये प्राणायाम बदल सकते हैं सेहत

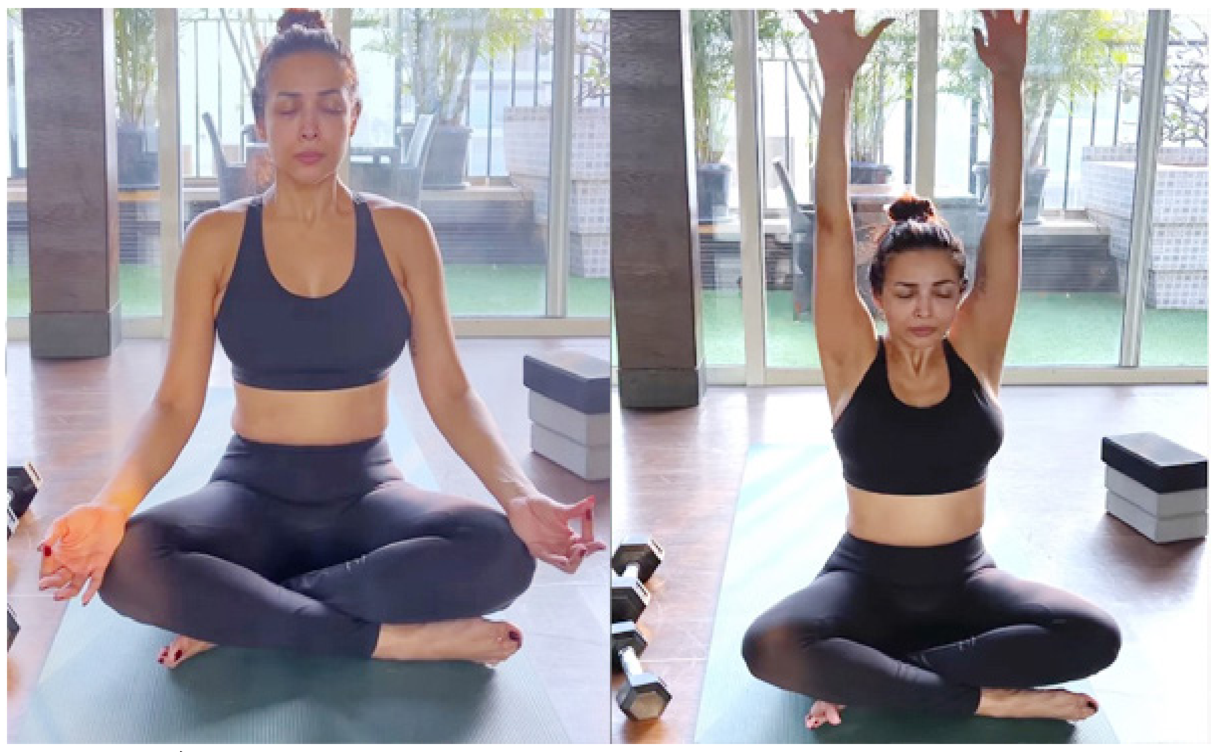

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज और योग से जुड़ी जानकारी साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में सोमवार को मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह प्राणायाम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने उन महत्वपूर्ण प्राणायामों का जिक्र किया जो तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। उन्होंने कैप्शन में पांच प्रमुख प्राणायामों के नाम साझा किए। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में जिन पांच प्रमुख प्राणायाम का जिक्र किया, उनमें भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ शामिल हैं। ये सभी प्राणायाम वह वीडियो में करती नजर आ रही हैं, साथ ही इनके फायदों को भी बता रही हैं।

भस्त्रिका प्राणायाम- भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है, शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है और मानसिक तनाव को कम करता है। लेकिन ध्यान रहे कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या सांस की समस्या वाले लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के न करें, क्योंकि इसमें तेज सांस लेने से सिर में चक्कर, कमजोरी या सांस फूलने की समस्या हो सकती है।

कपालभाति- कपालभाति में सांस जोर से बाहर निकाली जाती है, जिससे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। यह पाचन सुधारता है, पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को ऊर्जा देता है। लेकिन पेट या डायफ्राम की समस्या वाले लोग, या गर्भावस्था के दौरान, यह अभ्यास न करें; इससे पेट या छाती में तकलीफ बढ़ सकती है।

अनुलोम विलोम- अनुलोम विलोम में नाक से धीरे-धीरे सांस ली और छोड़ी जाती है। यह प्राणायाम मानसिक शांति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और नींद सुधारने में मदद करता है।

लेकिन अगर किसी को सांस की समस्या, ब्लड प्रेशर या हृदय रोग है, तो बिना प्रशिक्षक की मदद के अनुलोम विलोम करना सही नहीं है। गलत तरीके से अभ्यास करने पर चक्कर, सांस फूलना या थकान हो सकती है।

भ्रामरी- भ्रामरी में सांस छोड़ते समय भौंरे के गुंजन जैसी आवाज निकलती है। यह दिमाग को शांत करता है, सिरदर्द और मानसिक तनाव कम करता है।

इसके फायदे अनेक हैं, लेकिन कान में समस्या, अत्यधिक शोर या सिर सिरदर्द होने पर इसे करने से नुकसान हो सकता है। तेज आवाज के साथ करना या बहुत ज्यादा देर तक करना सिरदर्द बढ़ा सकता है।

उद्गीथ- उद्गीथ में गहरी सांस लेकर धीरे-धीरे आवाज के साथ छोड़ी जाती है। यह फेफड़ों को मजबूत करता है और मानसिक तनाव कम करता है। हालांकि, अगर किसी को सांस लेने में तकलीफ है या गले में समस्या है, तो उद्गीथ प्राणायाम करने से गले में जलन, खांसी, या सांस फूलने जैसी समस्या हो सकती है।

साहेब... रिहा ही कर दीजिए... यह ढोंग क्यों?

कीर्ति शर्मा | चंडीगढ़
समर न्यूज

बलात्कारी गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर जेल से बाहर निकाल लिया गया है। यह उसकी 15वीं पैरोल है-सिर्फ आठ साल में। सोचिए, जिसे 20 साल की सजा मिली हो, वह आठ साल में एक साल से ज्यादा समय जेल के बाहर बिता चुका हो, तो इसे सजा कहेंगे या मज़ाक?

अगस्त 2017 में रेप केस में दोषी ठहराया गया गुरमीत राम रहीम आजीवन कारावास की सजा काट रहा है-कम से कम कागज़ों में। हकीकत यह है कि जेल उसके लिए किसी सरकारी गेस्ट हाउस से ज्यादा कुछ नहीं रह गई है। जब मन किया, पैरोल; जब जरूरत पड़ी, बाहर।

अबकी बार फिर 40 दिन की पैरोल, और ठिकाना-डेरा सच्चा सौदा, सिरसा।

चार महीने पहले ही वह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आया था-तब जन्मदिन मनाया गया। इससे पहले भी जन्मदिन, डेरा स्थापना दिवस, चुनाव-हर मौके पर जेल के दरवाज़े उसके लिए अपने आप खुलते रहे।

क्या यही "विशेष परिस्थितियां" हैं, जिनके नाम पर पैरोल का नियम बनाया गया था?

देश में रेप के दूसरे दोषियों का हाल देखिए।

आसाराम बापू-एक दशक से ज्यादा जेल में, तब जाकर मेडिकल ग्राउंड पर सीमित राहत।

कुलदीप सेंगर-हाई कोर्ट से राहत मिली तो सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत ब्रेक लगा दिया।

बिलकिस बानो केस-दोषियों की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया।

लेकिन गुरमीत राम रहीम? उसके लिए नियम अलग, कानून नरम, और सिस्टम बेशर्म।

2017 में रेप केस, 2019 में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या में उम्रकैद, 2021 में रणजीत सिंह हत्याकांड में भी उम्रकैद-फिर भी पैरोल पर बाहर, बार-बार बाहर।

आठ साल चार महीने की सजा में 387 दिन जेल से बाहर। यानी हर चार में से एक साल "आजादी"।

ऐसा लगता है जैसे वह जेल में सजा काटने नहीं, थाने में हाजिरी लगाने जाता हो।

सबसे शर्मनाक यह है कि छह बार उसे पैरोल चुनावों के वक्त मिली। क्या संयोग है? या फिर वोटों की राजनीति में बलात्कार की सजा भी सौदेबाजी बन चुकी है?

दमदमी टकसाल के सेवादार ज्ञानी राम सिंह खालसा का सवाल बिल्कुल जायज़ है-जब सिख कैदी दशकों से जेलों में सड़ रहे हैं, तब एक बलात्कारी को इतनी मेहरबानी क्यों?

नियम कहते हैं कि पैरोल सिर्फ मजबूरी में मिलती है-मौत, बीमारी, आपात स्थिति।

लेकिन यहां जन्मदिन, डेरे का जश्न और चुनाव आपात स्थिति बन चुके हैं।

साफ सवाल है-जब पीड़िता की पीड़ा किसी को दिखती ही नहीं, जब कानून बार-बार झुकाया जा रहा है, जब जेल आना-जाना औपचारिकता बन चुका है-

तो फिर यह नाटक क्यों? कुछ दिनों के लिए जेल भेजने का ड्रामा बंद कीजिए।

अगर इतनी ही मेहरबानी है, तो गुरमीत राम रहीम को रिहा ही कर दीजिए।

कम से कम इंसाफ का यह ढोंग तो खत्म होगा।

टेनिसः ऑस्ट्रेलियन ओपन की प्राइज मनी में ऐतिहासिक वृद्धि, विजेताओं को मिलेगी अब तक की सबसे बड़ी राशि

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने मंगलवार को रिकॉर्ड 111.5 मिलियन (ऑस्ट्रेलियन डॉलर) प्राइज मनी की घोषणा की। यह टूर्नामेंट इतिहास की सबसे बड़ी इनामी राशि है। पिछले साल की 96.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर की तुलना में इस बार प्राइज मनी में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। पुरुष और महिला एकल के विजेताओं को 2.79 मिलियन (ऑस्ट्रेलियन डॉलर) मिलेंगे, जो पिछले साल के 2.35 मिलियन (ऑस्ट्रेलियन डॉलर) से 19 प्रतिशत अधिक है। उपविजेताओं को 2.15 मिलियन और सेमीफाइनल खेलने वालों को 1.25 मिलियन (ऑस्ट्रेलियन डॉलर) मिलेंगे। क्वालिफाइंग राउंड में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, और सभी एकल और डबल खिलाड़ियों को कम से कम 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलेगी। मेन ड्रॉ के पहले राउंड में बाहर होने वाले प्लेयर्स को 150,000 (ऑस्ट्रेलियन डॉलर) मिलेंगे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने कहा, "16 प्रतिशत की वृद्धि हर स्तर पर टेनिस करियर को सपोर्ट करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। 2023 से क्वालिफाइंग प्राइज मनी को 55 प्रतिशत बढ़ाने से लेकर खिलाड़ियों के लाभ को बढ़ाने तक, हम यह पक्का कर रहे हैं कि पेशेवर टेनिस सभी के लिए लाभदायक बना रहे।" प्राइज मनी में यह बढ़ोतरी टेनिस ऑस्ट्रेलिया के समर ऑफ टेनिस में 135 मिलियन के निवेश का हिस्सा है, जो सैकड़ों पेशेवर एथलीट्स के करियर को सपोर्ट करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। टिली ने कहा, "निवेश टेनिस की नींव को मजबूत करता है, जिससे खेल का विकास निश्चित होता है। सभी स्तर पर खिलाड़ियों को सपोर्ट करके, हम अधिक प्रतिभा पूल और फैन्स के लिए ज्यादा रोमांचक बना रहे हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की शुरुआत 12 जनवरी को मेलबर्न पार्क में होगी। ऑफिशियल ड्रॉ 15 जनवरी को ग्रैंड स्लैम ओवल फैन स्टेज पर होगा।

शरीर को अनगिनत फायदे देता है दालचीनी और शहद का कॉम्बिनेशन

मोहाली। हमारे घर की रसोई में कई ऐसे औषधीय मसाले होते हैं, जिनके सही समय पर सेवन मात्र से ही शरीर के आधे रोगों को दूर किया जा सकता है, जैसे हल्दी, दालचीनी, मेथी दाना, शहद, लौंग और बहुत कुछ।

आज हम दालचीनी और शहद के कॉम्बिनेशन के बारे में जानेंगे कि कैसे ये दो चीजें आपके दिल से लेकर दिमाग तक को दुरुस्त कर सकती हैं। आयुर्वेद में दालचीनी और शहद दोनों को ही जादुई माना गया है, क्योंकि दोनों के ही अपने-अपने लाभ हैं, लेकिन दोनों का साथ में सेवन करने से इसके गुण और फायदे दोगुने हो जाते हैं। दालचीनी और शहद दोनों आयुर्वेद में शक्तिशाली औषधि माने जाते हैं। सही तरीके से लेने पर ये शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं, लेकिन गलत मात्रा नुकसान भी पहुंचा सकती है। तो चलिए, उसके सेवन के फायदों से लेकर सावधानियों को विस्तार से जानते हैं।

पहला, दालचीनी और शहद दोनों का सेवन दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है। ये बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और रक्त वाहिनियों पर पड़ने वाले दबाव को कम करते हैं, जिससे दिल तक रक्त अच्छे से पहुंच पाता है।

दूसरा, दालचीनी और शहद दोनों का सेवन वजन घटाने में सहायक है। अगर सुबह खाली पेट उसका सेवन किया जाए तो इसके फायदे पूरे शरीर को मिलते हैं। ये शरीर में अतिरिक्त वसा को जमने से रोकता है और मेटाबॉलिज्म को तेज कर फैट बर्निंग में मदद करता है।

तीसरा, सर्दियों में सर्दी-खांसी की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। बच्चों और बुजुर्गों में सर्दी और खांसी की परेशानी ज्यादा देखी जाती है। ऐसे में, दालचीनी और शहद दोनों मिलकर इम्युनिटी को मजबूत करने का काम करते हैं। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण मौसम के बदलने से होने वाले संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

चौथा, दालचीनी और शहद दोनों का सेवन पाचन को दुरुस्त करने में मदद करता है। अगर गैस, कब्ज की परेशानी या पेट में सूजन की समस्या रहती है, तो दालचीनी और शहद का सेवन बेहद लाभकारी होता है। इसके अलावा, शारीरिक थकान को कम करने में भी दालचीनी और शहद मदद करते हैं और शरीर को प्राकृतिक तरीके से ऊर्जा भी मिलती है।

दालचीनी और शहद का सेवन लाभकारी है, लेकिन एक सीमित मात्रा में। अधिक मात्रा में लेने से इसके नुकसान भी हो सकते हैं। इसलिए चुटकी भर दालचीनी का सेवन करें, और अगर डायबिटीज की परेशानी है या लिवर से जुड़ी परेशानी है, तो डॉक्टर की सलाह पर सेवन करें।

इसके अलावा, गर्भवती महिलाएं भी सेवन से पहले चिकित्सक की सलाह लें।

उयिर तातुक्कल : शरीर की तीन जरूरी शक्तियां, जो रखती हैं सेहत का ख्याल

नई दिल्ली। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली भारत की प्राचीन पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में से एक है। इस प्रणाली का आधार 'उयिर तातुक्कल' है। उयिर तातुक्कल का मतलब होता है जीवन की मूल शक्तियां या जैविक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने वाली तीन आवश्यक ताकतें। ये तीन शक्तियां हैं - वली, अजल और अयम। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, ये तीनों तत्व मिलकर मानव शरीर के हर कार्य को नियंत्रित करते हैं। साथ ही ये किसी व्यक्ति की शारीरिक बनावट और प्रकृति को भी तय करते हैं। इनके बीच सही संतुलन बनाए रखने से शरीर का प्रदर्शन बेहतर होता है और पूरी सेहत बनी रहती है। ये तीन तत्व पांच महाभूतों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी से बने होते हैं।

वली मुख्य रूप से वायु और आकाश से, अजल अग्नि से और अयम जल व पृथ्वी से जुड़ा है।

सिद्ध चिकित्सा में वली, अजल और अयम का आपसी तालमेल बहुत महत्वपूर्ण है। जब ये तीनों संतुलित रहते हैं, तो व्यक्ति स्वस्थ और ऊर्जावान रहता है। लेकिन इनमें असंतुलन हो जाए, तो विभिन्न बीमारियां पैदा हो सकती हैं। सिद्ध प्रणाली में इलाज का मुख्य उद्देश्य इन्हीं तीन शक्तियों को संतुलित करना होता है।

वली मुख्य रूप से शरीर की गति और तंत्रिका तंत्र संबंधी कार्यों को संभालता है। यह हलचल, मूवमेंट और न्यूरोलॉजिकल प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। वली को आधुनिक विज्ञान की भाषा में नर्वस सिस्टम से जोड़ा जाता है, जो शरीर की हरकतों और संवेदनाओं को मैनेज करता है।

दूसरी शक्ति अजल है, जो पाचन प्रक्रिया और शरीर की गर्मी को नियंत्रित करती है। यह मेटाबॉलिज्म को बनाए रखती है, भोजन को पचाती है और शरीर के तापमान को संतुलित रखती है। अज़ल की वजह से ही शरीर में ऊर्जा उत्पादन होता है और पाचन तंत्र सुचारू रूप से चलता है।

तीसरी शक्ति अयम है, जो शरीर की संरचनात्मक मजबूती और स्थिरता प्रदान करती है। यह हड्डियों, मांसपेशियों और जोड़ों को मजबूत बनाती है। अयम शरीर को स्थिरता देता है और तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखता है।

सिद्ध चिकित्सा बीमारियों का इलाज व्यक्ति की उम्र, आदतें, पर्यावरण और शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखकर करती है। उयिर तातुक्कल को समझकर हम अपनी जीवनशैली सुधार सकते हैं और बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं।

विशेषज्ञों की सलाह है कि किसी भी उपचार से पहले योग्य चिकित्सक से परामर्श लें।

हीमोग्लोबिन कम होने की समस्या क्यों बनती है गंभीर, दवा लेने के बाद भी क्यों नहीं दिखता असर

नई दिल्ली। शरीर में हीमोग्लोबिन कम होना साधारण लेकिन घातक परेशानी है। बच्चों से लेकर गर्भवती महिलाओं में रक्त की कमी सबसे ज्यादा देखी जाती है।

रक्त की कमी को पूरा करने के लिए चिकित्सक आयरन की गोली खाने की सलाह देते हैं, लेकिन कई बार दवा लेने के बाद भी हीमोग्लोबिन की मात्रा नहीं बढ़ती है, क्योंकि सेवन का तरीका गलत हो सकता है।

आयुर्वेद में हीमोग्लोबिन बढ़ाने के कई तरीके बताए गए हैं, लेकिन कुछ आदतों की वजह से आयरन की कमी शरीर में बनी रहती है और दवा व उपाय भी असर नहीं करते हैं, जैसे अत्याधिक चाय या कॉफी का सेवन करना, पेट से जुड़ी परेशानी होना, गलत आहार के साथ दवा का सेवन करना, आयरन युक्त आहार से परहेज करना, पूरी नींद ना लेना और हर वक्त तनाव में बने रहना। इन सभी कारणों से हीमोग्लोबिन प्रभावित होता है और शरीर धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है।

रोजाना चुकंदर का सेवन हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मददगार होता है। इसके लिए चुकंदर के रस से लेकर चुकंदर की रोटियां और सलाद में चुकंदर लेना लाभकारी होगा। इसके अलावा, अनार का सेवन भी हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करता है, लेकिन अनार का सही तरीके से सेवन करना जरूरी है। ज्यादातर लोग अनार को जूस के रूप में पीते हैं, लेकिन अनार को खाना ही हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करता है, जबकि अनार का जूस रक्त में शर्करा को बढ़ाता है।

काले तिल और गुड़ का सेवन हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करता है। काले तिल और गुड़ में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, और गुड़ में कैल्शियम और आयरन दोनों मिल जाते हैं। सेवन के लिए तिल और गुड़ के लड्डू बना सकते हैं। इसके अलावा, खजूर और किशमिश दोनों ही हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाने में सहायक हैं। ये थकान और कमजोरी को भी दूर करते हैं। इन दोनों का सेवन सुबह के समय करना चाहिए और सेवन से पहले रात के समय भिगो देना चाहिए। भिगोने से किशमिश के गुण बढ़ जाते हैं।

अब सवाल है कि क्या न करें। हीमोग्लोबिन कम होने पर चाय, कॉफी, और डिब्बाबंद चीजों से परहेज करना चाहिए। इसके अलावा, पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है। अगर नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में कोशिकाओं को खुद को रिकवर करने का समय नहीं मिल पाता है। ऐसे में शरीर थका हुआ और कमजोर महसूस करता है। ध्यान रखें कि आयरन के अवशोषण के लिए शरीर में विटामिन सी की मात्रा भी अधिक होनी चाहिए। इसके लिए आहार में खट्टी चीजें जरूर शामिल करें।

फिरौती न देने पर व्यापारी की दुकान के बाहर बदमाशों ने बरसाईं गोलियां, अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

घटनास्थल पर से 4 खोल बरामद, व्यापारी से 50 लाख रुपये की मांगी जा रही थी फिरौती

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

महानगर में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते नजर आ रहे हैं। ताजा मामला फिरौती और फायरिंग से जुड़ा है, जहां बदमाशों ने एक व्यापारी से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी। जब व्यापारी ने फिरौती देने से इनकार कर दिया, तो बदमाशों ने देर रात उसकी दुकान पर गोलियां बरसा दीं। इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है। मामले की सूचना थाना हैबोवाल की पुलिस को दी गई, जहा पुलिस ने मौके पर पुहंच सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया। वही पुलिस ने घटनास्थल पर से 4 खोल कब्जे में लिए। पीड़ित व्यापारी हिमांशु हांडा ने बताया कि बीते दिनों से कुछ अज्ञात नंबरों से उसे लगातार व्हाट्सएप कॉल और वॉइस मैसेज के जरिए धमकियां मिल रही थी। धमकी देने वाले बदमाशों द्वारा उनसे 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी जा रही थी। धमकियों में बदमाशों ने यह भी कहा कि अगर उन्होंने किसी अधिकारी या पुलिस को इसकी शिकायत की, तो इसका अंजाम और भी बुरा होगा। बदमाशों ने यह तक कहा कि उनकी रिकॉर्डिंग चाहे किसी भी अफसर को सुना दी जाए, उन्हें किसी का डर नहीं है।

फायरिंग करते हुए आरोपी। -समर न्यूज़

हरजीत सिंह काका। -समर न्यूज़

हिमांशु के मुताबिक, सोमवार देर रात 3 बदमाश 1 बाइक पर सवार होकर उनकी दुकान पर पहुंचे। पहले उन्होंने दुकान के बाहर की वीडियो बनाई, जिसके बाद बदमाशों ने दुकान के शटर पर कई राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि उस समय दुकान में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, गोलियों की आवाज से आसपास के लोग सहम गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।
इस पूरी वारदात की फुटेज दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में बाइक सवार बदमाशों को फायरिंग करते हुए साफ देखा जा सकता है। घटना की सूचना मिलते ही लुधियाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान करने की जुट चुकी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल के नंबर और रूट की जानकारी जुटाई जा रही है। आसपास के इलाकों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि बदमाशों तक जल्द से जल्द पहुंचा जा सके। पुलिस का कहना है कि मामला गंभीर है और फिरौती व फायरिंग जैसी घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और व्यापारी को सुरक्षा का भरोसा दिया गया है। इस घटना के बाद इलाके के व्यापारी वर्ग में भी भय का माहौल है और उन्होंने पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

फैक्ट्री के बाहर खड़ी कार में लगी आग

सौरव अरोड़ा | लुधियाना
समर न्यूज़

मन्ना सिंह नगर स्थित एक फैक्ट्री के बाहर पार्क की गई आई-20 कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि वहां से गुजर रही हाई वोल्टेज तारें भी उसकी चपेट में आ गईं। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू न पाया जाता तो पास ही स्थित फैक्ट्री को भी भारी नुकसान पहुंच सकता था। लोगों ने बताया कि आग लगते ही उन्होंने खुद बचाव कार्य शुरू कर दिया और लकड़ी के गट्टों की मदद से जलती हुई कार को फैक्ट्री से दूर किया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी कुछ देर से पहुंची, लेकिन उससे पहले ही कार को घटनास्थल से हटाया जा चुका था। बताया गया कि जिस फैक्ट्री के बाहर कार खड़ी थी, वह किसी व्यक्ति द्वारा किराए पर ली गई है। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई, हालांकि खबर लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खाली प्लॉट से मिली युवक की जली हुई लाश, हत्या की आशंका

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

थाना मेहरबान के अधीन पड़ते गांव ख़्वाजके में सोमवार की शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव में खेतों के साथ लगते एक खाली प्लाट में से एक युवक का जला हुआ शव पड़े होने की सूचना मिली। राहगीर ने प्लाट में शव पड़ा देखा तो तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए।
लोगों ने जब पास जाकर देखा तो शव बुरी तरह से जला हुआ था और अलग अलग हिस्सों में पड़ा हुआ था। गांव के लोगों ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। जहा थाना मेहरबान की पुलिस ने मौके पर पुहंच शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। वही घटनास्थल पर देर शाम तक उच्च अधिकारियों सहित फोरेंसिक विभाग की टीम मौजूद रही। फिलहाल शव की बुरी तरह से जलने से पहचान नही हो सकी है, जिसके चलते शव को 72 घंटो के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

खाली प्लाट पर पड़ी युवक की लाश। -समर न्यूज़

राहगीर ने बताया कि वह खेतों के पास से गुजर रहा था, तभी उसकी नजर प्लाट में पड़ी लाश पर पड़ी। उसने देखा कि कुछ आवारा कुत्ते शव को नोच रहे थे। बताया जा रहा है कि शव दो हिस्सों में बंटा हुआ था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि व्यक्ति की बेरहमी से हत्या की गई है। जली हुई लाश मिलने की खबर फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल बन गया।
पुलिस के अनुसार, शव के आसपास किसी प्रकार के जलने के निशान नहीं मिले हैं। खेतों में न तो आग जलाने के अवशेष पाए गए और न ही ऐसा कोई सबूत मिला, जिससे यह साबित हो सके कि शव को वहीं जलाया गया था।
इसी आधार पर पुलिस को आशंका है कि हत्या और शव को जलाने की वारदात किसी अन्य स्थान पर की गई है और बाद में शव को पहचान छिपाने की नीयत से खेतों में फेंक दिया गया।
थाना मेहरबान के प्रभारी कुलबीर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्टों को खंगाला जा रहा है। इसके साथ ही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शव को किस वाहन से और कब प्लाट में लाकर फेंका गया।
फिलहाल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और अलग-अलग टीमें गठित कर जांच में जुटा दी गई हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ज्वेलर की दुकान से महिला ने चोरी की सोने की अंगूठी

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

माडल टाउन के गुलाटी चौक स्थित एक ज्वैलरी शॉप में नौसरबाजी कर सोने की अंगूठी चोरी करने का मामला सामने आया है। एक शातिर महिला ने असली सोने की अंगूठी की जगह नकली अंगूठी रखकर चोरी को अंजाम दिया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, महिला ग्राहक बनकर दुकान में पहुंची और सोने की अंगूठियां देखने लगी। अन्य ग्राहकों की मौजूदगी में उसने एक अंगूठी का वजन भी करवाया और चालाकी से नकली अंगूठी डिब्बे में रखकर असली अंगूठी ले गई। शक होने पर ज्वैलर ने जांच की तो चोरी का खुलासा हुआ। पीड़ित ज्वैलर अशिष सचदेवा की शिकायत पर पुलिस ने गांव किशनगढ़ निवासी मनप्रीत कौर को गिरफ्तार कर दो दिन के रिमांड पर लिया है।

'समर एक्सप्रेस' की खबर के बाद हरकत में आया प्रशासन

बुड्ढा दरिया किनारे अवैध कॉलोनी पर जेसीबी चली

काम बीच में रुका - अब 'फीस' जमा करवाने की तैयारी!

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

बुड्ढे दरिया के पास पीरू बंदा मोहल्ले में बाहर से काली तिरपाल और लोहे के टीन लगाकर काटी जा रही अवैध कॉलोनी पर मंगलवार देर शाम नगर निगम ने कार्रवाई की। यहां कई दिनों से तेजी से प्लॉट काटे जा रहे थे और अस्थाई ढांचे खड़े किए जा रहे थे। जब इसकी जानकारी सूत्रों से पता चली "समर एक्सप्रेस" में प्रमुखता से खबर छपने के बाद नगर निगम हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर कॉलोनी पर जेसीबी चली। हालांकि कार्रवाई कुछ देर बाद रोक दी गई। सूत्रों के मुताबिक कॉलोनी काटने वाले अब नगर निगम में फीस जमा करवाने की तैयारी में हैं। बड़ा सवाल यह है कि जहां फीस को रिहायशी बताकर जमा कराया जाएगा, वहीं आगे चलकर इसी जगह पर कमर्शियल फैक्ट्रियां खड़ी करने की योजना बनाई जा रही है। जबकि पूरा इलाका नगर निगम रिकॉर्ड में रिहायशी घोषित है।

निगम द्वारा लगाया गया नोटिस। -समर न्यूज़

निगम की टीम अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई करती हुई। -समर न्यूज़

दीवार पर चिपकाया नोटिस, एटीपी की निगरानी

नगर निगम एटीपी गुरविंदर सिंह लक्की ने इंफोर्समेंट टीम को मौके पर भेजा। इंपेक्टर गुरमीत सिंह के नेतृत्व में टीम ने साइट पर जाकर अवैध निर्माण पर नोटिस लगा दिया। नोटिस में साफ लिखा है कि बिना मंजूरी प्लॉट काटना और निर्माण करना गैरकानूनी है।

क्या कहा एमएटीपी ने

एमएटीपी रंजीत सिंह ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा एटीपी स्तर पर ड्यूटी लगा दी गई है और पहली कार्रवाई कर दी गई है। अगर आगे फिर से नियमों की उल्लंघना करते पाया गया तो सख्त कार्रवाई होगी, जिसे किसी भी सूरत में रोका नहीं जा सकेगा।

कॉलोनी बनाने वालों की चाल- 'पहले फीस, फिर फैक्ट्री'

सूत्रों की मानें तो अवैध कॉलोनाइज़र पहले रिहायशी स्कीम के नाम पर फीस जमा करवाते हैं। बाद में उसी जमीन को फैक्ट्री या गोदाम खड़े कर दिए जाते हैं। इससे न सिर्फ क्षेत्र की प्लानिंग बिगड़ती है, बल्कि ट्रैफिक, प्रदूषण और सुरक्षा से जुड़े खतरे भी बढ़ते हैं। पीरू बंदा मोहल्ला पहले से ही तंग गलियों और भीड़भाड़ से जूझ रहा है। अगर यहां कमर्शियल गतिविधियां शुरू हुईं, तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

समर एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद जागा प्रशासन

कॉलोनी का काम कई दिनों से तेज़ी से चल रहा था। लेकिन जब "समर एक्सप्रेस" ने इसे प्रमुखता से उठाया, तभी पूरी मशीनरी एक्टिव हुई। कार्रवाई के दौरान जेसीबी से रोड़, सीवरेज और अस्थाई निर्माण गिराए गए। हालांकि बीच में काम रुकने से यह सवाल खड़ा हो गया कि क्या प्रशासनिक दबाव फिर से ढीला पड़ जाएगा?
सूत्र बताते हैं कि कॉलोनी संचालक अब कागजी प्रक्रिया पूरी करने के लिए भागदौड़ कर रहे हैं। लेकिन शहर के विकास से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ फीस भर देने से अवैध काम वैध नहीं हो जाता। जब तक लेआउट पास न हो, सुविधाओं सड़क, सीवर, पानी, ड्रेनेज की मंजूरी न मिले, किसी भी तरह का निर्माण गैरकानूनी ही माना जाएगा।

उद्घाटन 31 लाख रुपये की लागत से बिछाई गई नई पानी की पाइपलाइन

पानी की नई पाइपलाइन का विधायक बग्गा ने किया उद्घाटन

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

वार्ड नंबर 87 की वैष्णो कॉलोनी में पेयजल समस्या का लंबे समय से इंतजार कर रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। यहां करीब 31 लाख रुपये की लागत से बिछाई गई नई पानी की पाइपलाइन का उद्घाटन स्थानीय विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।
विधायक बग्गा ने कहा कि पिछले कई सालों से कॉलोनी के लोग पुरानी और जर्जर पाइपलाइन के कारण परेशानी झेल रहे थे। कई बार सप्लाई के दौरान पाइप टूट जाती थी, जिससे पानी की भारी बर्बादी भी होती थी। मोहल्लावासियों ने जब इस समस्या को गंभीरता से उनके सामने रखा, तो विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर तुरंत नई पाइपलाइन डालने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि शहर के हर वार्ड में जरूरी विकास कार्य करवाना प्राथमिकता है और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा पर कोई समझौता नहीं होगा। बग्गा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और समय पर प्रोजेक्ट पूरा हो।
पार्षद हरजिंदर सिंह बाली और अमन बग्गा खुराना ने बताया कि नई पाइपलाइन लगने से पूरे इलाके में नियमित और साफ पानी की सप्लाई मिलेगी। उन्होंने कहा कि कॉलोनी की सड़कों को भी चरणबद्ध तरीके से सुधारा जाएगा। वार्ड प्रधान जसपाल सिंह बोनी ने कहा कि अब लोगों को टैंकरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।
उद्घाटन के मौके पर बिट्टू राणा, पिंकी, मिंटू बड़याल, रुपिंदर सोनू, तरुण, कमल, शाम लाल, रमेश कुमार, मन्नू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पाइपलाइन का उद्घाटन करते हुए विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा। -समर न्यूज़

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 123